



S.C.

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4
PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 15] नई दिल्ली, शनिवार, नवम्बर 13, 1982/कातिक 22, 1904

No. 15] NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 13, 1982/KARTIKA 22, 1904

इस भाग में खिल पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

भारत का अन्तर्राष्ट्रीय विमानपत्रन प्राधिकरण

प्रधिकारण

नई दिल्ली, 12 नवम्बर, 1982

सं. पर्त/1114/75-वाल्यूम-III.—अन्तर्राष्ट्रीय विमान-
पत्रन प्राधिकरण अधिनियम, 1971 (1971 का 43)
की धारा 37 की उपधारा (2) के खण्ड (ख) द्वारा
प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत अन्तर्राष्ट्रीय
विमानपत्रन प्राधिकरण केंद्र सरकार की पूर्वानुमति से
निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात् :—

प्रथमाय — 1 समाप्त

1. संक्षिप्त नाम, आरम्भ तथा लागू होना :— (1)
इन विनियमों को भारत अन्तर्राष्ट्रीय विमानपत्रन प्राधिकरण
(कर्मचारी अंशदायी भविष्य निधि तथा पारिवारिक पेंशन
निधि) विनियम, 1982 कहा जाएगा।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से
प्रदूत होंगे।

(3) ये प्राधिकरण के उन सभी कर्मचारियों पर लागू
होंगे जो स्थायी रूप से प्राधिकरण की सेवा में नियुक्त
किए गए हैं, परन्तु प्राधिकरण में प्रतिनियुक्त पर आये
कर्मचारियों पर ये विनियम लागू नहीं होंगे।

2. परिभाषाएँ :— (क) "अधिनियम" से अन्तर्राष्ट्रीय-
विमानपत्रन प्राधिकरण अधिनियम, 1971 अभिप्रेत है;

(ख) "प्राधिकरण" से अधिनियम की धारा 3 के
अंतर्गत स्थापित भारत अन्तर्राष्ट्रीय विमानपत्रन प्राधिकरण
अभिप्रेत है :

(ग) "मण्डल" से इन विनियमों के अंतर्गत गठित
स्थापन मण्डल अभिप्रेत है ;

(घ) "अध्यक्ष" से भारत अन्तर्राष्ट्रीय विमानपत्रन
प्राधिकरण का अध्यक्ष अभिप्रेत है ;

(ङ) "अंशदान" से प्राधिकरण द्वारा नियोक्ता के रूप
में इन विनियमों के अंतर्गत किसी सदस्य को भगतान किया
जाने वाला कोई अंशदान अभिप्रेत है ;

(च) (1) भारत अन्तर्राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण अंशदायी भविष्य निधि के प्रयोजन के लिए "परिवार" में निम्नलिखित अभिप्रेत हैः—

(i) पुरुष सदस्य के मामले में परनी अथवा परिवर्तनीय बच्चे चाहे विवाहित हों अथवा अविवाहित, आश्रित माता-पिता तथा किसी पूर्व मृत पुत्र की विद्यवा तथा बच्चे, किन्तु यदि कोई सदस्य यह सिद्ध करता है कि उसकी पत्नी न्यायसम्मत रूप में उससे अलग हो गयी है अथवा जिस समुदाय में वह संबंध रखता है उसका प्रथागत अथवा वैयक्तिक कानून पत्नी की भरणपोषण की हकदारी पर पांचांदी लगाता है तो उसे तब से इन विनियमों से संबंधित मामलों में सदस्य के परिवार का भाग तब तक नहीं माना जाएगा जब तक कि सदस्य बाद में लिखित रूप में मण्डल को यह नुचित न कर दे कि उसकी पत्नी को परिवार का सदस्य समझा जाना चाहिए;

(ii) महिला सदस्य के मामले में उसका पति, उसके बच्चे चाहे विवाहित हों अथवा अविवाहित, उसके आश्रित माता-पिता, उसके पति के आश्रित माता-पिता तथा पूर्व मत पुत्र की विद्यवा तथा बच्चे किन्तु यदि सदस्य मण्डल को लिखित रूप में नॉटिस देकर अपने परिवार से अपने पति को निकालने के संबंध में अपनी इच्छा व्यक्त करती है तो इन विनियमों से संबंधित मामलों में उस समय से उसके पति तथा पति के आश्रित माता-पिता को सदस्य के परिवार का भाग तब तक नहीं माना जायेगा जब तक कि बाद में सदस्य लिखित रूप में इस प्रकार के नॉटिस की रद्द न कर दे।

टिप्पणी- उपर्युक्त दोनों में से किसी भी एक मामले में "बच्चे" से अभिप्राय है वैध मन्तान तथा इसमें दत्तक मन्तान, जहां सदस्य पर लागू होने वाले वैयक्तिक कानून के अंतर्गत गोद लेने को मान्यता प्राप्त हो, शामिल है। यदि सदस्य की संतान किसी अन्य व्यक्ति द्वारा गोद ले ली गयी हो तथा गोद लेने वाले के वैयक्तिक कानून के अंतर्गत गोद लेने की कानूनी मान्यता प्राप्त है तो वह बच्चा सदस्य के परिवार से अलग समझा जाएगा।

(छ) भारत अन्तर्राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण परिवार पेंशन निधि के प्रयोजन के लिए "परिवार" में अभिप्रेत हैः

- (i) परिवार पेंशन निधि के पुरुष सदस्य के मामले में पत्नी,
- (ii) परिवार पेंशन निधि की महिला सदस्य के मामले में पति; तथा

(iii) परिवार पेंशन निधि के सदस्य के नावालिंग पुत्र तथा अविवाहित पुत्रियाँ।

स्पष्टीकरणः— "पुत्र" तथा "पुत्रिया" पदावलि में सेवा में रहने हुए भूत्यु में पूर्व कानूनी तौर पर गोद सी गयी सतान शामिल है।

(ज) "परिवार पेंशन" में संगणनीय सेवा की अवधि में मृत्यु हो जाने की दशा में परिवार पेंशन निधि के सदस्य के परिवार से संबंधित व्यक्ति को नियमित रूप से दी जाने वाली मासिक राशि अभिप्रेत है,

(झ) "विदेश मेवा" में वह सेवा अभिप्रेत है जिसमें प्राधिकरण का कोई कर्मचारी प्राधिकरण की भूमिका प्राप्त करके प्राधिकरण से भिन्न किसी नियोजक से अपना वेतन और अन्य उपलब्धियाँ प्राप्त करे:

(ञ) "सदस्य" से प्राधिकरण का कोई ऐसा कर्मचारी अभिप्रेत है जो भविष्य निधि या परिवार पेंशन निधि का सदस्य बनता है या बनने का हकदार है;

(ट) "भविष्य निधि" से इन विनियमों के अधीन भारत अन्तर्राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण कर्मचारी अंशदायी भविष्य निधि अभिप्रेत है;

(ठ) "वेतन" में मूल वेतन और जहां प्रनुज्जय हो, विशेष वेतन या वैयक्तिक वेतन, महगाई वेतन तथा महगाई भत्ता मिमिनिति है, लेकिन कोई अन्य भत्ता, जिसका कर्मचारी हकदार हो सकता है, सम्मिलित नहीं है;

(इ) "सभापति" से बोर्ड का सभापति अभिप्रेत है;

(ट) "संगणनीय मेवा" से परिवार पेंशन निधि के किसी सदस्य द्वारा की गयी गोमी सेवा अभिप्रेत है जिसके संबंध में इस स्कीम के अधीन ग्रंथादान का भुगतान किया जा सकता है,

(ण) "भनिव" से बोर्ड का सचिव अभिप्रेत है;

(त) "अंशदान" से किसी सदस्य द्वारा भविष्य निधि में किया गया अंशदान अभिप्रेत है,

(थ) "न्यासी" से न्यासी बोर्ड का कोई सदस्य अभिप्रेत है, और

(व) "वर्ष" से अप्रैल के प्रथम दिन से प्रारंभ होने वाला भारत अन्तर्राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण का वित्तीय वर्ष अभिप्रेत है।

3. न्यासी बोर्ड (i) इन विनियमों के अधीन गठित निधि का प्रबंध न्यासी बोर्ड द्वारा किया जाएगा, जिसमें निम्नलिखित सदस्य होंगे, अर्थात्

(क) निदेशक (वित्त और लेखा) जो सपदेन सभापति होंगा,

(ख) उपनिदेशक (कार्मिक) जो पदेन न्यासी होगा,

(ग) उपनिदेशक (विस्त और लेखा) जो पदेन न्यासी होगा,

(घ) कर्मचारियों के दो प्रतिनिधि, जिनकी नामजदगी अध्यक्ष, कर्मचारियों के परामर्श से, निधि के सदस्यों में से करेगा।

(2) प्राधिकरण के प्रधान वार्यान्वय का एक अधिकारी जिसकी नामजदगी अध्यक्ष द्वारा की जाएगी, बोर्ड का सचिव होगा। सचिव की महायतार्थ प्राधिकरण द्वारा दिया गया ऐसा कर्मचारी-दृष्ट द्वारा जो अध्यक्ष, समयसमय पर, अवधारित करे। बोर्ड की बैठक बुलाता, उनके अधिलेख रखता, लेखों के उचित रख रखाव का मुनिश्वित करने के लिए आवश्यक कदम उठाना और बोर्ड के निर्णयों को कार्यान्वित करना सचिव के कर्तव्य होंगे।

4. पदावधि : (1) पदेन न्यासी से भिन्न, एव्वेक न्यासी, इन विनियमों के अधीन रहते हुए, आपनी नामजदगी की तारीख से दो वर्ष की अवधि तक पद धारण करेगा।

(2) यदि (पदेन न्यासी से भिन्न) किसी न्यासी के पद की आकस्मिक रिक्ति होती है तो अध्यक्ष, कर्मचारियों के परामर्श से ऐसी रिक्ति को भरने के लिए निधि के किसी सदस्य को न्यासी के रूप में नामजद कर सकेगा और इस प्रकार नामजद न्यासी उस यासी की अनवरसित पदावधि पर्यन्त पद धारण करेगा जिसके स्थान पर उसे इस प्रकार नामजद किया गया है।

(3) कोई भी पदमुक्त होने वाला न्यासी पुनः नामजदगी के लिए पात्र होगा।

5. न्यासी का पदस्थान और न्यासिता की समाप्ति : (1) पदेन न्यासी से भिन्न कोई भी न्यासी, अध्यक्ष को सम्बोधित पद द्वारा अपने पद से त्यागपत्र दे सकता है और उसका पद उस तारीख से, जिस तारीख को अध्यक्ष त्याग पद स्वीकार करता है, रिक्त हो जाएगा।

(2) यदि पदेन न्यासी से भिन्न कोई न्यासी, समाप्ति से अपनी अनुपस्थिति की छुट्टी प्राप्त किए थिना, बोर्ड की समाप्ति तीन बैठकों में उपस्थिति होने से असफल रहता है तो वह न्यासी नहीं बने रहेगा।

परन्तु बोर्ड स्वयं अपने प्रस्ताव द्वारा या इस निमित्त ऐसे न्यासी द्वारा दिये गये आवेदन पर, यदि बोर्ड इस बाने संतुष्ट हो जाता है कि उसकी अनुपस्थिति के लिए युक्तियुक्त आधार था, न्यासी को उसके पद पर प्रत्यावर्तित कर सकेगा।

6. न्यासित के लिए निरहन्ताएं और उसे पद से हटाए जाना : (1) कोई व्यक्ति विनियम ३ के उप विनियम (१) के खण्ड (घ) के अधीन, न्यासी बनने के लिए निरहत होगा :

(१) यदि वह अभुक्त दिवालिया है :

(ii) यदि वह किसी मक्षम न्यायालय द्वारा विक्षिप्त घोषित कर दिया जाता है;

(iii) यदि वह किसी ऐसे अपराध के लिए, जो नैतिक चरित्रहीनता का है, दोषी ठहराया गया है।

(iv) यदि वह प्राधिकरण का कर्मचारी नहीं रह जाता या किसी कारणबाट निधि का सदस्य नहीं रह जाता है।

(2) यदि कोई प्रश्न उठता है कि क्या कोई व्यावेत उप विनियम (१) के अधीन निरहत है, तो वह मामला अध्यक्ष को भेज दिया जाएगा जिस पर उसका निर्णय अनिम होगा।

(3) प्राधिकरण पदेन न्यासी से भिन्न किसी भी न्यासी को, उसके पद से हटा सकेगा यदि प्राधिकरण की राय में उस ने उन हिनों का, प्रतिनिधित्व करना बंद कर दिया है जिनके लिए उससे प्रस्तावित कार्यवाही के विरुद्ध कोई प्रतिनिधित्व किया जाना तात्पर्यित है।

7. बैठकें : (1) बोर्ड अपनी बैठकें नई दिल्ली में या ऐसे स्थान और समय पर करेगा जो सभापति इस निमित्त निर्धारित करे। सभापति, जब वो यह उचित समझे, और कम से कम तीन न्यासियों से लिखित रूप में मांग किए जाने के १५ दिन के अंदर-अंदर बोर्ड की बैठक बुला सकेंगे।

(2) बोर्ड की बैठक के बारे में प्रत्येक न्यासी को कम से कम पांचदू दिन का नोटिस दिया जाएगा।

परंतु जब सभापति किसी ऐसे मामले पर, जो कि उसकी राय में अस्थावर्यक है, विचार करने के लिए पांचदू दिन से कम के नोटिस पर बैठक बुलाते हैं तो, इस विनियम के प्रयोगन के लिए वह कम अवधि का नोटिस भी पर्याप्त समझा जाएगा।

(3) सभापति, बोर्ड को प्रत्येक बैठक को अध्यक्षता करेंगा। उसको अप्रस्थिति में, न्यासी उपस्थित सदस्यों में से बैठक की अध्यक्षता होने के लिए किसी एक रानी निर्वाचित करेंगे और इस प्रकार निर्वाचित अधिकत को ऐसी बैठक की अध्यक्षता को मारी जानी चाहिया।

8. बौरम (१) बोर्ड को किसी बैठक में किसी कारोबार पर कार्यवाही नव तक नहीं की जायेगी जबतक कि कम से कम तीन न्यासी उपस्थित न हों, जिनमें से कम से कम एक न्यासी विनियम ३ के उप-विनियम (१) के खण्ड (घ) के अधीन नामजद फिर गए न्यासियों में से होगा।

(2) यदि किसी अधिकेशन में, गणरूपि नहीं है, तो सभापति स्वयं अधिकेशन के सभव और स्थान को सूचना न्यासियों को देते हुए अधिकेशन स्वयं कर देगा और ऐसा होने पर इस प्रकार स्वयं अधिकेशन में उपस्थित न्यासियों की

मंस्या को ध्वनि में लाए बिना कारबार का तिपटान विधि ग्रन्थ माना जाएगा।

(3) बोर्ड के अधिकेशन में प्रत्येक प्रश्न उपस्थित और मतदात कर रहे न्यायिकों के बहुमन में विनिश्चित किया जाएगा और मतों के समान होने की दशा में, सभापति का दिवकीय या निर्णयिक मत होगा और वह उसका प्रयोग करेगा।

१). अधिकेशन का कार्यवृत्त बोर्ड की मीटिंगों के कार्यवृत्त को बोर्ड का सचिव रखेगा।

बोर्ड की अगली बैठक में, ऐसे कार्यवृत्त को, संशोधनों सहित या उनके बिना पुष्ट हो जाने पर, इस प्रकार पुष्ट किये गये कार्यवृत्त को कार्यवृत्त पुस्तक में अभिलिखित किया जाएगा और सभापति उस पर हस्ताक्षर करेगा और इस प्रकार अभिलिखित और हस्ताक्षरित कार्यवृत्त उनके सही होने का सबत होगा।

10. फीस और भत्ते (1) निवि के प्रगतिसत में सर्वाधिक सभी खर्चों, जिसमें निधि के प्रबंध के प्रयोजन के लिए नियुक्त किए गए कर्मचारी वृद्ध के देना और भत्ते भी सम्मिलित हैं, का यहां प्राधिकरण करेगा और उन नियिकों को प्रशारित नहीं किया जाएगा।

(2) बोर्ड की बैठक में सम्मिलित होने के लिए किसी न्यासी द्वारा की गई याचिकाओं के लिए उसे याचिका भत्तों का प्रदान, शासकीय कार्य पर की गई याचिका के लिए उसे सारे विविधों द्वारा शामिल होगा। और उसका भुगतान प्राधिकरण द्वारा किया जाएगा।

अध्याय 2

11. भारत अन्तर्राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण कमंचारी प्रशंसायी भविष्य निधि योजना निधि का गठन : (1) प्राधिकरण एक निधि का गठन करेगा जिसे भारत अन्तर्राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण अंशदायी भविष्य निधि कहा जाएगा।

(2) निधि इन क्रियाएँ के प्रधीन रखने हुए हैं तथा
में रखी जाएँगी।

(3) निधि अपने सदस्यों के लाभ के लिए एक अप्रतिमांतरणीय त्थास का गठन करेगी।

12. निधि की आस्तिया : निधि में निस्तंत्रिकृत होगे।

(iii) इन विनियमों के प्रनुसार प्राधिकरण द्वारा किए जाने वाले अंशदान और सदस्यों द्वारा किए जाने वाले अधिदान :

(ख) ऐसे अंशदान और अभिदान पर प्राप्त ब्याज :

(ग) किसी अन्य भविष्य निधि से अंतरित अतिशेष
जहां बीई द्वारा ऐसे अंतरण प्राधिकृत किए जाए;

(d) इन विनियमों के उपबंधों के अनुसार निधि को व्युपगत धन :

(इ) निधि अनुवृद्धि से कीत प्रतिभूतियां और निधि की पूंजीगत आस्तियों के अंतरण से उदभत कोई पंजीगत लाभ।

13. निधि की सदस्यता : प्राधिकरण का प्रत्येक नियमित कमेंचारी उस तारीख के, जिस तारीख को उसने छह मास की निरंतर सेवा पूरी कर ली है या छः मास की प्रवधि के भीतर कम से कम 120 दिन वस्तुतः कार्य किया है, आगामी मास के प्रारंभ से इस निधि का सदस्य बनने के लिए हक्कदार होगा और उससे सदस्य बनने की अपेक्षा की जाएगी।

स्पष्टीकरणः(क) यदि कोई कर्मचारी, कर्मचारी भविष्य निधि योजना, 1952 के अंतर्गत आंशदायी भविष्य निधि का या कोंड्रीय/राज्य सरकार द्वारा स्थापित अन्य किसी भविष्य निधि का और या अधिकर अधिनियम, 1961 के अधीन मान्यता प्राप्त अन्य किसी भविष्य निधि का सदस्य रहा है श्रीर प्राविकरण में कार्यभार ग्रहण करते समय उसने अपने भविष्य निधि खाते में जमा रखक प्रत्याहृत नहीं की है तो वह अपनी नियुक्ति की तारीख में ही निधि का सदस्य बनने के लिए पात्र होगा।

(छ) पेंगन भोगी और राज्य / केन्द्रीय सरकार के विभागों के अधिवर्वता प्राप्त करने वाले व्यक्ति अपनी नियुक्ति की तारीख से नियंत्रित के सदस्य हो जायेंगे बशर्ते कि उनका नियोजन एक वर्ष से कम के लिए न हो या उनके सेवाकाल में एक वर्ष या अधिक की बगी हो।

(ग) ठेके के आधार पर नियुक्ति किए गए व्यक्ति निधि का सदस्य बनने के लिए तब तक पास नहीं होंगे जब तक कि उनकी नियुक्ति के ठेके में उसके लिए विशेष व्यवस्था न हो।

14. सदस्यों द्वारा निष्पादित किया जाने वाला करारः
मिधि का सदस्य बन जाने पर प्रत्येक कर्मचारी संलग्न कार्म
“छ” में एक करार निष्पादित करेगा।

15. अभिदान तथा अंशदान की दरें: (1) प्रत्येक सदस्य, मास के दौरान अर्जित बेतन के 8 प्रतिशत की दर से प्रत्येक मास निधि में अंशदान करेगा।

सदस्य अभिदान की दर बढ़ा सकेगा लेकिन बढ़ी हुई दर मास के दौरान अर्जित वेतन के पच्चीस प्रतिशत से अधिक नहीं होंगी।

परन्तु ऐसी वृद्धि उस अभिदाय से प्रभावी होगी जो इन विनियमों के अधीन यित्तीय वर्ष के प्रथम मास का अभिदाय समाप्त जायेगा।

ब्याख्यात्मक टिप्पणी : पुनः नियोजित कर्मचारियों द्वारा अंशदायी भविष्य निधि में देय दर निर्धारित करने के प्रयोजनार्थ बेतन में पुनः नियोजन बेतन के नियत के समय हिसाब में लिया गया बेतन व पैशान तथा अन्य सेवा निवृत्त लाभ शामिल होंगे। परंतु इस प्रयोजन के लिए अधिकतम राशि, संबद्ध कर्मचारी द्वारा धृत पद के बेतनमान के अधिकतम से अधिक नहीं होगी। इसके अतिरिक्त महंगाई भत्ता भी हिसाब में लिया जाएगा।

(2) प्राविकरण प्रत्येक मास, निधि में प्रत्येक सदस्य द्वारा दी गई राशि के बरावर अंशदान करेगा परंतु उक्त निधि में नियोजक का अंशदान किसी भी दशा में उस मास के दौरान सदस्य द्वारा अंजित बेतन के 8 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा।

(3) अभिदान तथा अंशदान निकटतम रूप में पूर्णांकित किया जाएगा और पचास पैसे या उससे अधिक को अगले रूप के रूप में गिना जाएगा।

16. अभिदान की वसूली : (1) जब कोई सदस्य प्राधिकरण से अपना बेतन लेता है तब ऐसे अंशदान और किसी प्रग्राम मूलधन और ब्याज की वसूली बेतन से ही कार ली जाएगी।

(2) जब कोई सदस्य विदेश सेवा में है और विदेशी नियोक्ता से अपना बेतन प्राप्त करता है तो उसके लिए अपने मासिक अंशदान की राशि सभापति को प्रेषित करना अत्यावश्यक होगा विदेश स्थित नौकरी की अवधि के संबंध में संदेय प्राधिकरण का अंशदान, प्राधिकरण द्वारा सदस्य से वसूल किया जाए। सदस्य द्वारा संदेय राशि पारस्परिक ममझीते के आधार पर विदेशी नियोक्ता द्वारा उसके (सदस्यों के) बेतन से वसूल और सभापति को प्रेषित की जा सकती है।

17. निधि का प्रबंध लेखे और लेखा परीक्षा : (1) निधि में नियोक्ता के अंशदान के रूप में और कर्मचारियों के अभिदान के रूप में प्राप्त कुल राशि संबंधित खातों में जमा की जाएगी।

(2) निधि को अपगत सभी राशियों, परंतु विनिधानों के विकल्प से हुए लाभ या हानि, यदि कोई है, की राशि नहीं, 'अपगत खाते' को अंतित की जाएगी।

(3) प्राप्त या वसूल किए गए सभी ब्याज, किराया और अन्य आय, यथा स्थिति को "ब्याज—आय खाता" नामक खाते में जमा की जाएगी।

(4) निधि की सभी रकम आयकर निधम, 1962 के निधम 67 और उसमें समय-समय पर किए गए संशोधन के अधीन विनिर्दिष्ट तरीके से जमा की जाएगी।

(5) निधि के लेखों की लेखा-परीक्षा प्राधिकरण के लेखों की लेखा परीक्षा करने वाले प्राधिकारी द्वारा की जाएगी।

18. ब्याज : बोर्ड प्रत्येक वर्ष की समाप्ति के पश्चात् यथासंभव शीघ्रः—

(i) वह दर अधिसूचित करेगा जिस दर पर निधि के प्रत्येक सदस्य के खाते में जमा सारी राशि पर उस वर्ष के दौरान ब्याज अनुज्ञात किया जाएगा, जो वही दर होंगी जो केंद्रीय सरकार अपने कर्मचारियों की अंशदायी भविष्य निधि के लिए निर्धारित करेगी।

(ii) उस वर्ष के दौरान निधि के विनिधान पर लगे और प्राप्त कुल ब्याज का लेखा तैयार करेगा; और

(iii) प्रत्येक वर्ष 31 मार्च को निधि में प्रत्येक सदस्य के खाते में जमा उसकी रकम पर देय ब्याज की रकम जमा करेगा। परन्तु वर्ष के लेखे बंद होने के पूर्व किसी सदस्य के ऐसा सदस्य न रह जाने की दशा में, ब्याज पूर्ववर्ती वर्ष के लिए नियत दर पर अनुज्ञात किया जाएगा और वह उस मास के, जिस मास में भुगतान किया गया है, पूर्ववर्ती मास के अन्त तक दिया जाएगा।

19. सदस्य का खाता : (1) प्रत्येक सदस्य का वैयक्तिक खाता बोर्ड द्वारा निर्धारित फार्म में रखा जाएगा और उसे अत्यंत संख्या आवंटित की जाएगी। खाते मुख्यालय में या सम्बद्ध विभानपतन पर जहाँ राज्य कार्य कर रहा है, जैसा भी बोर्ड विहित करें, रखा जाएगा।

(2) वर्ष समाप्त होने के पश्चात् यथासंभव शीघ्र प्रत्येक सदस्य को उसके लेखे का एक विवरण दिया जाएगा जिसमें उसके खाते में जमा अभिदान और अंशदान के वर्ष का आरंभिक अतिशेष व उस पर ब्याज, वर्ष के दौरान अभिदान और अंशदान की राशि, उस वर्ष के लिए उसके खाते में जमा ब्याज और वर्ष के अंत में उसके खाते में जमा अभिदान और अभिदान की राशि और उस पर ब्याज उपदर्शित होंगे।

(3) प्रत्येक सदस्य, इस बात से संतुष्ट हो जाने पर कि उस के लेखा-विवरण में को गई प्रविष्टियाँ सही हैं, अपने विधिवत् हस्ताक्षर करके लेखा विवरण की स्वीकृति उसकी प्राप्ति की तारीख से दो मास के भीतर, भेजेगा।

(4) ऐसे प्रत्येक सदस्य का वर्ष के वैयक्तिक लेखे का उद्दरण, जिसके बारे में आयकर निधम, 1962 के अधीन विवरण दिया जाना अपेक्षित है, संबद्ध आयकर अधिकारी को ऐसे प्रारूप में और ऐसी तारीखों के भीतर, जो उक्त निधमों के उपर्योगों के द्वारा अपेक्षित हों, भेजा जाएगा।

20. नामजदगी : (1) प्रत्येक सदस्य, निधि में समिलित होने के पश्चात् यथासंभव शीघ्र ऐसे प्रारूप पर जो बोर्ड विहित करे नामजदगी करेगा, जिसमें वह राशि संदेय होने से पूर्व उसकी मृत्यु हो जाने की दशा में या उस दशा में जब राशि संदेय हो तो दी न गई हो, एक या अधिक व्यक्तियों को ऐसी राशि प्राप्ति का अधिकार

प्रदान करेगा जो कि उसके खाते में जमा हो। परंतु नाम जारी करते समय यदि सदस्य का कोई कुटुम्ब हो तो नामजगी उसके कुटुम्ब के सदस्यों से भिन्न किसी व्यक्ति या व्यक्तियों के पक्ष में नहीं की जाएगी।

(2) यदि कोई सदस्य उपविनियम (1) के अधीन एक से अधिक व्यक्तियों का नामजद करता है तो वह प्रत्येक नामजद व्यक्ति को संदेश राशि या अंश इस रीति से नामांकन फार्म में विनिर्दिष्ट करेगा कि निधि में उसके खाते में किसी भी समय उसके नाम जमा संपूर्ण राशि उसके अन्तर्गत आ जाए।

(3) सदस्य किसी भी समय लिखित सूचना दे कर नामजदगी रद्द या संशोधित कर सकता है। परंतु सदस्य ऐसी सूचना के साथ-साथ इस विनियम के उपबंधों के अनुसार ऐसे फार्म में, जो सभापति निर्धारित करें। किया गया नामांकन भी भेजेगा।

(4) सदस्य नामांकन फार्म में निम्नलिखित सूचना प्रदान करेगा :—

(क) कि यदि किसी विनिर्दिष्ट नामित व्यक्ति की नामित करने वाले सदस्य से पूर्व मृत्यु हो जाती है तो उस नामित व्यक्ति को दिया गया अधिकार ऐसे अन्य व्यक्ति या व्यक्तियों को मिल जाएगा जो नामजदगी में विनिर्दिष्ट किए जायें।

परंतु यदि सदस्य का परिवार है तो ऐसा नामजद व्यक्ति भी परिवार का हो एक सदस्य होगा।

और यह भी कि यदि सदस्य का कुटुम्ब नहीं है तो उपखण्ड (ख) के परंतु (क) के उपबंध लागू होंगे।

(ख) कि नामांकन में विनिर्दिष्ट किसी आकस्मिकता के घटित होने पर नामांकन अवैध हो जाएगा।

परंतु यदि नामांकन करते समय सदस्य का कोई कुटुम्ब नहीं है तो वह नामजदगी में इस बात का उपबंध करेगा कि यदि बाद में उसका कुटुम्ब हो जाता है तो वह नामांकन अवैध हो जाएगा।

(5) ऐसे नामजद व्यक्ति की मृत्यु हो जाने के तुरंत बाद जिसके बारे में उपविनियम (4) के खण्ड (क) के अधीन नामांकन में किसी विशेष उपबंध की व्यवस्था नहीं की गई है या ऐसी कोई घटना घटित हो जाने पर जिसके कारण उपविनियम (4) के खण्ड (ख) के अनुसार नामांकन अवैध हो जाता है, सदस्य नामजदगी रद्द करने के लिए सचिव या सभापति द्वारा विनिर्दिष्ट किसी अन्य अधिकारी को लिखित रूप में एक सूचना भेजेगा और उसके साथ इस विनियम के उपबंधों के अनुसार एक नया नामांकन भी भेजेगा।

(6) सदस्य द्वारा किया गया प्रत्येक नामांकन और रद्द किए जाने के लिए दिया गया प्रत्येक नोटिस की सूचना

उम सीमा तक जिस सीमा तक वैध है, सचिव या इस बाबत विनिर्दिष्ट किसी अन्य अधिकारी को भेजी जाएगी और उस तारीख को प्रभावी हो जाएगी जिसको व सचिव या उपर उपविनियम (5) के अधीन सभापति द्वारा विनिर्दिष्ट किसी अन्य अधिकारी को प्राप्त होती है।

(7) यदि नामांकन पूर्णतः या आंशिक रूप से किसी अवयस्क के पक्ष में है तो सदस्य इन विनियमों के प्रयोगन के लिए विनियम 2(ङ) (1) में यथापरिभाषित, अपने कुटुम्ब के किसी व्यस्क व्यक्ति को अवयस्क नामित व्यक्ति का संरक्षक नियुक्त कर सकता है;

परंतु यदि कुटुम्ब में कोई व्यस्क व्यक्ति नहीं है तो सदस्य स्वीकेन्द्रियनुसार किसी अन्य व्यक्ति को अवयस्क नामित व्यक्ति का संरक्षक नियुक्त कर सकता है।

(8) इस विनियम में उपबंधित व्यवस्था को छोड़कर कोई भी कर्मचारी निष्प्रे में अपने लाभप्रद हित को न तो नामुद्देशित करेगा और न उस पर प्रभार सूजित रहेगा।

21. निधि में से अग्रिम धन लेना :— (1) बोर्ड निजे विवरण के स्तंभ 2 में सूचीकृत किन्हीं भी प्रयोगनों के लिए किसी सदस्य को उस सीमा तक और उन विशेष शर्तों के यदि कोई है, अधीन रहते हुए जो क्रमशः स्तंभ 3 और 4 में उल्लिखित हैं, अग्रिम धन की अदायगी को मंजूर कर सकेगा।

क्रम सं.	प्रयोगन	सीमा जिस तक अग्रिम विशेष मंजूर किया जा सकता शर्त है
----------	---------	---

1	2	3	4
1. सदस्य या उसके कुटुम्ब के किसी सदस्य की भारत से बाहर किसी स्थाव की यात्रा खर्च का भुगतान करने के लिए		तीन मास का बेतन या निधि में सदस्य के खाते में जगा अभियान की राशि और उस पर व्याज का आधा, जो भी कम हो।	
2. सदस्य की हैसियत के उपयुक्त मापदान पर ऐसे अनिवार्य खर्चों का भुगतान करने के लिए, जो सदस्य को रुढ़िगत प्रथा के अनुसार निम्नलिखित के संबंध में खर्च करने पड़े :—			

(क) अपनी या अपने बच्चों (क) छ: मास का बेतन या के या उस पर वस्तुतः आश्रित निष्प्रे में सदस्य के खाते

1	2	3	4
उसके कुटुम्ब के किसी श्रव्य सदस्य के विवाह पर।	में जमा अभिदान की राशि और उस पर ब्याज का आधा, जो भी कम हो।		
(ख) सदस्य के या उसके बच्चों के या उस पर वस्तुतः आश्रित उसके कुटुम्ब के किसी श्रव्य सदस्य के संबंध में श्रव्य उसकों पर या उसके माता पिता के या उस पर वस्तुतः आश्रित उसके कुटुम्ब के किसी श्रव्य सदस्य की	(ख) तीन मास का वेतन या निधि में सदस्य के खाते में जमा अभिदान की राशि और उस पर ब्याज का आधा, जो भी कम हो।		
टिप्पण : 1 उसके पुत्र या उसकी पुत्री के विवाह के बाबत या उसके माता पिता की अंत्येष्टि के बाबत अग्रिम की मंजूरी के मामले में कर्मचारी पर निर्भरता की शर्त नागू नहीं होगी।			
टिप्पण : 2 क्रम संख्या 2 (क) के प्रयोजन के लिए, कर्मचारी की अविवाहित बहन उसके कुटुम्ब की सदस्य समझी जाएगी।			
3. सदस्य पर वस्तुतः आश्रित उसके कुटुम्ब के किसी सदस्य की बीमारी के या निःशक्तिप्राप्ति के, जिसमें याकाम व्यय भी है, संबंध में किसी व्यय का भुगतान करने के लिए।	तीन मास का वेतन या निधि में सदस्य के खाते में जमा अभिदान की रकम और उस पर ब्याज का आधा, जो भी कम हो।		
4. सदस्य पर पूर्णतः आश्रित उसके पुत्र या पुत्री की उच्चतर नक्कासी की शिक्षा के व्यय की पूर्ति करने के लिए।	—यथोक्त—		
5. सदस्य द्वारा अपनी प्रतिरक्षा के लिए किसी विधि न्यायालय में शासकीय हैसियत में अपने चरित्र या कार्य के समर्थन के लिए किए गए व्यय की पूर्ति करने के लिए।	—यथोक्त—		

(2) उप नियम (1) में किसी वात के होते हए भी, अध्यक्ष ऊपर निर्धारित परिसीमाओं से अधिक या ऊपर उपर्युक्त शर्तों के अंतर्गत न आने वाली किसी अत्यधिक संकट की दशा में भी अग्रिम मंजूर कर सकेगा।

(3) किसी सदस्य को, विशेष कारणों के सिवाय, तब तक अग्रिम मंजूर नहीं किया जाएगा जब तक कि उमने किसी पहले मंजूर किए गए अग्रिम की ब्याज सहित अंतिम किश्त का प्रतिसंदाय न कर दिया हो। फिर भी, उन मामलों में, जहाँ पहले अग्रिम की अदायगी करने से पूर्व दूसरा अग्रिम मंजूर किया गया हो तो ऐसे किसी पूर्ववर्ती अग्रिम का अनिश्चेष की, जो वसूल न होता हो, इन प्रकार मंजूर किए गए अग्रिम के साथ जोड़ा जाएगा और वसूली की किश्तें उस समेकित रकम के संदर्भ में निर्धारित की जाएंगी।

(4) वह सदस्य, जिसे निधि से अग्रिम मंजूर किया गया है, मंजूरी कर्ता प्राधिकारी को ऐसी अवधि के भीतर जो वह प्राधिकारी विनिर्दिष्ट करे, इस बात से संतुष्ट करेगा कि राशि का उसी प्रयोजन के लिए प्रयोग किया गया है जिसके लिए वह मंजूर की गयी थी और यदि वह ऐसा करने में अनुकूल रहता है तो इस प्रकार मंजूर की गई सम्पूर्ण राशि या उसके उतने अंश को जो उस प्रयोजन में नहीं लगा जिसके लिए मंजूर किया गया था, निधि के सदस्य हारा अधिनियम 22 के उपविनियम (3) के अधीन विनिर्दिष्ट दर पर ब्याज के साथ एक मुश्त में तत्काल वापस अदा किया जाएगा और ऐसी अदायगी में चूक होने पर मंजूरी कर्ता प्राधिकारी उस सदस्य की परिलक्षियों में से या तो एक मुश्त में या उतनी मासिक किश्तों में, जो ऐसा प्राधिकारी अवधारित करे, वसूली किए जाने का अदैश देगा।

22. अग्रिम की वसूली :- (1) अग्रिम की वसूली सदस्य से उतनी समान मासिक किश्तों में की जाएगी जितनी का मंजूरीकर्ता प्राधिकारी निदेश दे, किन्तु ये किश्तें बारह में कम, जब तक कि सदस्य वेषा अवयन न करे और छत्तीस से अधिक तहीं होगी। सदस्य अपनी मर्जी से किसी मास में एक में अधिक किश्तों की अदायगी कर सकता है। प्रत्येक किश्त पूर्ण रूपयों में नियत की जाएगी, यदि आवश्यक हो तो इस प्रकार किश्तों को नियत करने के लिए अग्रिम की राशि को बढ़ाया या घटाया जा सकेगा।

(2) वसूली विनियम 16 में उपर्युक्त रीति से की जाएगी और जिस माह से अग्रिम लिया गया है उसके पश्चात उस प्रथम मास से, जिसमें सदस्य पूर्ण मास का वेतन प्राप्त करता है, प्रारंभ की जाएगी। परंतु अग्रिम की वसूली सदस्य की सहमति के बिना उस दशा में नहीं की जाएगी जब उसे जीवन निवाह अनुदान मिल रहा है या बीमारी की छुट्टी पर है और या तीस दिन से अधिक की असाधारण छुट्टी पर है।

(3) अग्रिम पर ब्याज लिया जाएगा और उसे आयकर नियम 1962 के नियम 71 के उपर्युक्तों के अनुसार वसूल किया जाएगा।

23. प्रत्याहरण : (1) बोर्ड किसी सदस्य को बीस वर्ष की सेवा (जिसमें खंडित सेवा काल भी, यदि कार्ड है, मम्मिलित है), पूर्ण हो जाने के पश्चात या उसके अधिकारिता पर सेवा-निवृत्ति की तारीख से पूर्व दस वर्ष के

भीतर, इनमें से जो भी पूर्ववर्ती है, किसी भी समय निधि में सदस्य के खाते में जमा अभिदान और उस पर ब्याज की राशि से नीचे दिए गए विवरण के स्तम्भ 2 में उल्लिखित किसी भी प्रयोजन के लिए क्रमशः उसके स्तम्भ 3 और 4 में वर्णित सीमाओं तक और शर्तों के, यदि कोई है, अधीन रहते हुए धन निकालने के लिए भंजूरी दे सकता है।

टिप्पणि : प्राधिकरण का नियमित कर्मचारी हन्ते से पूर्व किसी कर्मचारी द्वारा केंद्रीय सरकार के अधीन या सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम में की गयी सेवा को बीस वर्ष की अवधि के लिए शर्त के अधीन रहते हुए संगणना में लिया जाएगा कि जब वह केंद्रीय सरकार या सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम में था तो भविष्य निधि लेखा में उसके खाते में जमा रकम इन विनियमों के अधीन निधि में जमा की गयी हो। परंतु यह केंद्रीय सरकार या सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के ऐसे कर्मचारियों की बाबत ही लागू होगा जो अधिक से अधिक 1-6-1677 तक प्राधिकरण के नियमित कर्मचारी हों गए हों।

क्रम सं०	प्रयोजन	सीमा जिस तक	विशेष शर्तें
1	2	3	4

1. गृह निर्माण या स्थान की खरीद कर्मचारी के खाते बीस वर्ष की सेवा करने या गृह और स्थान को खरीद आधे से या गृह और अगले 10 वर्ष के करने के लिए या स्थान की वास्त- भीतर सेवा से निवृत ध्यय को पूरा करने विकलागत से, होने वाला है। के लिए, परंतु यह इनमें से जो भी कम तब अबकि कर्म- है, अधिक नहीं चारी यह पर्याप्त होगी। वचन देता है कि वह यथास्थिति ऐसे गृह या स्थान को गिरवी नहीं रखेगा या स्वामित्व नहीं बदलेगा

(1) कर्मचारी ने प्रत्याहरण की राशि (1) कर्मचारी के खाते बीस वर्ष की सेवा में जमा राशि के पूरी कर ली है या प्रत्याहरण से छह मास के भीतर प्रारंभ होना चाहिए और निर्माण के प्रारंभ होने की तारीख से 18 मास के भीतर पूरा हो जाना चाहिए।

(2) गृह का निर्माण प्रत्याहरण से छह मास के भीतर प्रारंभ होना चाहिए और निर्माण के प्रारंभ होने की तारीख से 18 मास के भीतर पूरा हो जाना चाहिए।

(3) यदि प्रत्याहरण किसी गृह या और/या भवन के लिए स्थान को खरीद करने के लिए किया गया हो तो ऐसी खरीद प्रत्याहरण से छः मास के भीतर की जानी चाहिए।

1	2	3	4
			(4) यदि प्रत्याहरण गृह की खरीद के प्रयोजन के लिए पहले लिए गए किसी अर्ण की अदायगी करने के लिए किया गया है तो अर्ण की अदायगी प्रत्याहरण के तीन मास के भीतर की जानी चाहिए।

(5) जहाँ प्रत्याहरण गृह के निर्माण के लिए है, वहाँ वह दो या तीन समान किश्तों में अनुज्ञेय हो और पश्चात्वर्ती किश्त की अनुमति पहले प्रत्याहरण के वास्तविक उपयोग के संबंध में बोर्ड द्वारा सत्यापन के पश्चात ही दी जाएगी।

(6) प्रत्याहरण की अनुमति केवल तभी दी जाएगी, यदि गृह और स्थल गिरवी से मुक्त हों और ऐसी किसी संयुक्त संपत्ति या भवन या गृह या भूमि के एक भाग की खरीद करने के लिए प्रत्याहरण अनुज्ञेय नहीं होंगा जिसका स्वामित्व विभक्त हो।

(7) यदि प्रत्याहरण की राशि गृह और/या स्थल के क्या निर्माण की वास्तविक लागत से अधिक है या राशि का उस प्रयोजन के लिए उपयोग नहीं किया गया जिसके लिए वह ली गई थी तो यथास्थिति अवश्य

1	2	3	4
---	---	---	---

या सम्पूर्ण रकम तुरंत बोई को एक मृश्त में आयकर के नियम ७१ में विहित दर पर ब्याज सहित ऐसे प्रत्याहरण के मास से वापस कर दी जाएगी। वापस की गयी राशि कर्मचारी के भविष्य निधि खाते में जमा कर दी जाएगी।

(२) निधि से वास्तविक प्रत्याहरण गट्टपति या इस निमित्त उनके द्वारा विनिर्दिष्ट किसी अधिकारी से प्राप्तिकार प्राप्त होने पर ही किया जाएगा। प्राप्तिकार बोई द्वारा अप्रभारिक मंजूरी जारी किए जाने के पश्चात् यथासंभव शोध ही जारी किया जाएगा।

(३) विनियम २१ के उप विनियम (४) के उपबंध इस विनियम के अधीन निधि से प्रत्याहृत राशि पर यथावश्यक परिवर्तनों सहित लागू होंगे।

23. प्रीमियम की अदायगी के लिए प्रत्याहरण :—
(क) बोई किसी सदस्य द्वारा अपनी या उसकी पत्नी की जीवन बीमा पालिसियों के प्रीमियम की अदायगी के लिए भविष्य निधि अभिनान में उसके खाते में जमा राशि से राशि प्रत्याहृत करने की मंजूरी दे सकता है।

परन्तु कोई भी राशि तब तक नहीं निकाली जाएगी :—

(क) जब तक पालिसी के विवरण पहले बोई के पास प्रस्तुत न कर दिए जाएं और बोई द्वारा उसे उपयुक्त रूप से स्वीकार न कर लिया जाए ;

(ख) जब तक कि पालिसी न्यासियों को समनुदिष्ट न हो और किसी बीमा कम्पनी द्वारा अनुदत्त रसीदें समय-समय पर तिरीकण के लिए न्यासियों को प्रस्तुत न की जाए, या

(ग) यह राशि प्रीमियम अदा करने की राशि से अधिक हो ;

(घ) (i) प्रत्याहरण के समय कर्मचारी के तीन मास के बेतन या

(ii) कर्मचारी के खाते में आयकर से छूट प्राप्त अभिनान के संकलन और ब्याज की कुल राशि, जो अतिशेष रकम है, इनमें से जो भी कम है, से अधिक हो।

(ङ) तब तक प्रत्याहृत नहीं की जाएगी जब तक कि उस पालिसी का प्रीमियम, जिसके कि संबंध में प्रत्याहरण अनुमेय है, वार्षिक रूप से संवेद्य नहीं है। परन्तु यह भी कि यदि ७७ G/८२-२

ऐसी कोई पालिसी कर्मचारी के प्राधिकरण की सेवा में न रहे जाने के पूर्व ही भुगतान के लिए परिपक्व या अन्यथा देय हो जाती है तो उसके अन्तर्गत प्राप्त या प्राप्त राशि सदस्य के खाते से निकाली गयी राशि के समान तक या बीमा पालिसी के लिए प्राप्त रकम तक, इनमें से जो भी कम हो और अतिशेष, यदि कोई हो, का संदाय पालिसी के अधीन बाध्यनाही को किया जाएगा।

और यह भी कि यदि कोई सदस्य, जिसने इस विनियम के अधीन कोई रकम निकाली है, इस प्रकार रकम निकालना बंद करने का विकल्प देता है तो उसके द्वारा बीमा प्रीमियम के भुगतान के लिए इस प्रकार निकाली गई कुल राशि की निधि में उसके खाते में प्रतिपूर्ति की जाएगी और न्यासियों को, यथास्थिति, समनुदिष्ट या उनके पास जमा की गयी पालिसी तब तक उन्हें समनुदिष्ट या वापिस नहीं की जाएगी जब तक कि निकाली गयी राशि इस प्रकार पूरी नहीं कर दी जाती।

24. किसी अग्रिम का प्रत्याहरण में सापरिवर्तन :—कोई सदस्य जिसने विनियम २१ के अधीन पहले ही कोई अग्रिम रकम निकाली हुई है, अपने विवेकामुसार, सचिव के माध्यम से सुझापति को लिखित अनुरोध द्वारा, उसके प्रति बकाया अतिशेष को, विनियम २३ के उप-विनियम (१) में निर्धारित रातों को उसके द्वारा पूरा किए जाने पर अन्तिम रूप से रकम निकालने में सापरिवर्तन कराया जा सकता है।

25. निधि में संबंधों का अन्तिम रूप से प्रत्याहरण :— जब कोई सदस्य प्राधिकरण की सेवा छोड़ देता है तब निधि में उसके नाम में जमा संचित अतिशेष, आयकर अधिनियम के उपबंध के अनुसार उसके द्वारा देय और संवेद्य आयकर की कटौती और विनियम २७ के अधीन किसी कटौती के अधीन रहते हुए, उसे संदेय हो जाएगी:

परन्तु यदि कोई सदस्य केन्द्रीय या राज्य सरकार या किसी स्वायत्त संगठन या सौसायटी पंजीकरण अधिनियम, १८६० के अन्तर्गत पंजीकृत किसी सौसायटी या सार्वजनिक उपक्रम आदि में नियुक्ति के लिए प्राधिकरण की पूरी शक्ति से सेवा छोड़ देता है तो निधि में उसके नाम जमा रकम का अतिशेष उसे संदेय नहीं होगा अपितु उसके नये नियोजक को, यदि उस नियोजक के भविष्य निधि नियम ऐसे अन्तरण की अनुमति देते हैं, अन्तरित कर दिया जाएगा।

26. सदस्य की मृत्यु पर प्रक्रिया :—सदस्य के नाम जमा रकम के संवेद्य ही जाने के पूर्व या यदि रकम संदेय हो गयी है तो संदाय किए जाने से पूर्व उसकी मृत्यु ही जाने पर विनियम २७ के अधीन किसी कटौती के प्रधीन रहते हुए :—

(१) यदि विनियम २० के अनुसार सदस्य द्वारा कोई नामजदगी विद्यमान है तो निधि में उसके नाम जमा राशि या उसका वह भाग जिससे नामजदगी का संबंध है, ऐसी नामजदगी के अनुसार उसके द्वारा नामित व्यक्ति या व्यक्तियों को संदेय हो जाएगी, या

(2) यदि ऐसी कोई नामज्ञानी विद्यमान नहीं है या यदि ऐसे नामांकन का संबंध निधि में उसके नाम जमा रकम के किसी एक भाग से है तो, यथास्थिति सारी २कम या उसका वह भाग, जिससे नामांकन का संबंध नहीं है, उसके कुटुम्ब के सदस्यों को बराबर-बराबर अंशों में संदेय हो जाएगा;

टिप्पण :

यदि उपर्युक्त खण्ड के अधीन किसी अवस्क आलक को कोई अंश संदेय हो जाता है तो उसकी अदायगी नीतिगत संरक्षक होने के नाते बिना किसी क्षतिपूति बंधपत्र के उसके जीवित माता-पिता को कर दी जायेगी;

परन्तु यदि उसके कुटुम्ब का खण्ड (क), (ख), (ग) और (घ) में विनिर्दिष्ट सदस्यों से भिन्न कोई सदस्य विद्यमान है तो कोई भी अंश निम्नलिखित को संदेय नहीं होगा:

(क) ये पुत्र जो व्यस्क हो गए हैं;

(ख) मृतक पुत्र के पुत्र जो व्यस्क हो गए हैं;

(ग) विवाहित पुत्रियाँ जिनके पति जीवित हैं;

(घ) मृतक पुत्र की विवाहित पुत्रियाँ, जिनके पति जीवित हैं;

परन्तु यह और कि मृतक पुत्र की विधवा या विधार्णी और सतान या संसाने अपने में अकेला अहीं अंश, बराबर बराबर अंशों में प्राप्त करेंगे जो अंश उस पुत्र ने तब प्राप्त किया होता जब वह सदस्य का उत्तरजीवी होता और अधिदाता की मृत्यु के समय व्यस्कता की आयु नहीं अभिप्राप्त कर लिए होता।

(3) किसी ऐसे मामले में, जिस पर उपविनियम (1) और

(2) के उपबंध लागू नहीं होते, सारी रकम बैंध रूप से उसके लिए हकदार व्यक्ति को संदेय हो जाएगी।

इस्पष्टीकरण

इस पैरा के प्रयोजन के लिए किसी सदस्य की मरणोपरात संतान, यदि वह जीवित पैदा होती है, उसी रीति से मात्रा जाएगी जैसे कि वह सदस्य की मृत्यु के पूर्व जीवित संतान हो।

27. कटौतियों :—(1) इस शर्त के अधीन रहते हुए कि ऐसी कोई भी कटौती नहीं की जाएगी जिससे कि निधि में सदस्य के नाम जमा रकम का उस निधि से संदाय किए जाने से पूर्व उसमें प्राधिकरण द्वारा जमा किसी अंशदान और उस पर व्याज की रकम से अधिक रकम निकल जाए, अव्यक्त उसमें से निम्नलिखित कटौती करने का निवेश दे सकता हैः—

(क) कोई भी रकम, यदि सदस्य प्राधिकरण की सेवा से प्रदूषित कर दिया जाता है;

(ख) स्वेच्छा से त्यागपत्र या प्राधिकरण से सेवानिवृत्ति होने की दशा में, कटौतियाँ निम्नलिखित श्रेणीगत मान पर की जायेंगी :—

सेवा काल	अंशदान का अंश
तीन वर्ष से कम	25 प्रतिशत
तीन और चार वर्ष के बीच	50 प्रतिशत
चार और पांच वर्ष के बीच	95 प्रतिशत

मृत्यु और सेवा निवृत्ति की दशा में, जहां अंशदायी विष्य निधि के अतिशेष का अंतरण अंतर्विष्ट है, नियोक्ता अंशदान का, की गयी सेवावधि को ध्यान में रखे बिना „ए भुगतान किया जाएगा।

(ग) सदस्य द्वारा प्राधिकरण के प्रति उपगत दायित्व के अधीन देय कोई २कम;

2. उपविनियम (1) के खण्ड (क) या खण्ड (ख) के अधीन कटौती की गयी सारी रकम निधि को व्यपगत हो जाएगी

3. उपविनियम (1) के खण्ड (ग) के अधीन कटौती की गयी सारी रकम का प्राधिकरण के खाते में भगतान किया जायेगा।

28. निधि में रकम का भुगतान करने की रीति :—

(1) जब निधि में सदस्य के नाम जमा कोई रकम अथवा, विनियम 27 के अधीन की गयी कटौती के पश्चात् बचा, उसका अतिशेष संदेय हो जाता है तब सचिव का या इस निमित्त सभापति द्वारा विनिर्दिष्ट किसी अन्य अधिकारी का यह कर्तव्य होगा कि संदेय रकम के सही होने के संबंध में अपने को संतुष्ट करने के पश्चात् नीचे उपविनियम (3) में यथा उपबंधित इस निमित्त लिखित आवेदन प्राप्त होने पर भुगतान करे।

(2) यदि वह व्यक्ति, जिसे इन विनियमों के अधीन कोई रकम संदेय है “पागल” है और जिसकी सम्पदा के लिए भारतीय पागलपन अधिनियम, 1912 के अधीन प्रबंधक नियुक्त किया गया है तो भुगतान ऐसे प्रबंध को किया जाएगा न कि पागल को।

(3) कोई व्यक्ति जो इस विनियम के अधीन भुगतान का आवा करना चाहता है, उस निमित्त सचिव को या सभापति द्वारा इस निमित्त विनिर्दिष्ट किसी अन्य अधिकारी को, ऐसे फार्म में जो बोई निर्धारित करे, लिखित आवेदन भेजेगा। निकाली गयी रकमों का भुगतान केवल भारत में ही किया जाएगा। ऐसा व्यक्ति जिसे रकम देय है, भारत में भुगतान प्राप्त करने की व्यवस्था करेगा।

प्रध्याय—3 : भारत अन्तर्राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण परिवार पेशन निधि योजना

29. कुटुम्ब पेशन निधि की सदस्यता :—यह योजना ऐसे प्रत्येक कर्मचारी को लागू होगी जो कर्मचारी भविष्य निधि

योजना का सदस्य बन जाता है वेतन कि वह 1000 रु प्रतिमास से अधिक बेतन नहीं पा रहा है।

परन्तु यदि किसी कर्मचारी ने, प्राधिकरण की सेवा में आने के पूर्व किसी कारबाही या अन्य प्रतिष्ठान में सेवा करते समय पहले कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1971 में यथासंबोधित) के अधीन कुटुम्ब पेंशन योजना, 1971 के लिए, उस योजना के पैरा 3(ख) और 4 में यथा-उत्पन्नित रूप में विकल्प देने का निश्चय नहीं किया है तो वह इन विनियमों के लागू करने की तारीख से तीन मास के भीतर, प्राधिकरण की कुटुम्ब पेंशन निधि में सम्मिलित न होने का विकल्प देसकता है।

30. सदस्यता का प्रतिधारण :—कुटुम्ब पेंशन निधि का कोई सदस्य अधिवर्षिता की आयु प्राप्त करने के या सेवा निवृत्त होने तक या सेवा छोड़ने तक और उन फायदों को निकालने या निकालने के लिए हक्कदार होने तक जिनके लिए वह उस योजना के अधीन हक्कदार है या संगनीय सेवा की अवधि के दौरान उसकी मत्यु हो जाती है, उनमें से जो भी पूर्ववर्ती हों, कुटुम्ब पेंशन निधि का सदस्य बना रहेगा।

स्पष्टीकरण :

जैसे ही किसी कर्मचारी का वेतन 1000 रु प्रतिमास से अधिक हो जाता है उसके लिए स्वयंमेव ही कुटुम्ब पेंशन निधि को छोड़ने का विकल्प दिया गया समझ लिया जाएगा।

31. योंका समाधान :—यदि ऐसा कोई प्रश्न उठता है कि कोई कर्मचारी कुटुम्ब पेंशन निधि योजना का सदस्य बनने के लिए हक्कदार है या नहीं, तो उस पर न्यासी बोर्ड का निर्णय प्रतिम होगा परन्तु कोई भी निर्णय तब तक नहीं किया जाएगा जब तक कि कर्मचारी की बात को मुना न गया हो।

32. फीस और भत्ते :—कुटुम्ब पेंशन निधि के प्रशासन से संबंधित सभी व्यय, जिनमें निधि के प्रणालन के प्रयोजन के लिए नियुक्त किए कर्मचारीवृद्धि के वेतन और भत्ते भी सम्मिलित हैं, विनियम 10 में निर्दिष्ट प्रकार से, प्राधिकरण द्वारा बहन किए जाएंगे।

33. कुटुम्ब पेंशन निधि :—(क) विनियम 15 में निर्धारित रीति से हर महीने में भविष्य निधि में सदस्यों द्वारा संदर्त अंगदानों और प्राधिकरण द्वारा संदर्त अभिदानों में से कर्मचारी के वेतन का 1.1/6 प्रतिशत अभिदान की और प्राधिकरण के अभिदान को 1.1/6 प्रतिशत ही समान राजि को पृथक रूप में रखी जाएगी और कुटुम्ब पेंशन निधि में जमा किया जाएगा।

(ख) प्राधिकरण कुटुम्ब पेंशन निधि के सदस्यों के वेतन 1.1/6 प्रतिशत की दर से भी अभिदान करेगा और उसे कुटुम्ब पेंशन निधि खाले में जमा करेगा।

(ग) उप विनियम (क) और (ख) के अधीन संदेश अभिदान मासिक वेतन के आधार पर संगणित किए जाएंगे।

(घ) उप विनियम (क) और (ख) के अधीन संदेश प्रत्येक अभिदान की संगणना रूपये के निकटतम चौथाई भाग तक की जाएगी। 12.5 पैसे या उससे अधिक की रूपये के अगले चौथाई भाग के रूप में संगणना की जाएगी।

34. कुटुम्ब पेंशन निधि के प्रारंभ होने के समय पहले से ही नियुक्त व्यक्तियों द्वारा दिये जाने वाले विवरण :— प्रत्येक ऐसे व्यक्ति से, जो कुटुम्ब पेंशन निधि योजना का सदस्य बनने का पात्र है, प्राधिकरण, संलग्न फार्म “क” पर उसके और उसके कुटुम्ब से संबंधित विवरण तुरन्त प्रस्तुत करने के लिए कहेगा और इस प्रकार मांग किए जाने पर वह ऐसे विवरण प्रस्तुत करेगा।

35. खाता संख्या का आवंटन :—कुटुम्ब पेंशन निधि योजना के प्रत्येक सदस्य को अलग-अलग खाता संख्या आवंटित की जाएगी।

36. कुटुम्ब पेंशन निधि खाता :—कुटुम्ब पेंशन निधि में प्राधिकरण के और कर्मचारियों के अंगदान के रूप में और प्राधिकरण के अपने अंगदान के रूप में भी प्राप्त सम्पूर्ण राशि एक खाते में जमा की जाएगी जिसका नाम “कुटुम्ब पेंशन निधि खाता” होगा।

37. विनियोजन :—निधि की सारी राशि को आयकर नियम, 1962 के नियम 67 के अधीन विनिर्दिष्ट रीति से जमा किया जाएगा।

38. निधि का निपटान :—(क) इस योजना के अधीन कुटुम्ब पेंशन और अन्य लाभकारी मदों संबंधी सभी भुगतान को उक्त खाते में डाला जाएगा।

(ख) इस योजना के अधीनवर्ती विनियमों के उपबंधों के अंतर्गत रहते हुए, ऊपर विनियम 36 में निर्दिष्ट कुटुम्ब पेंशन निधि की राशि, प्राधिकरण की पूर्व मंजूरी के, इस योजना के अधीन कुटुम्ब पेंशन निधि के सदस्यों या उसके कुटुम्ब के व्यक्ति को यथा अनुज्ञेय फायदों के भुगतान के अलावा किसी अन्य प्रयोजन के लिए खर्च नहीं की जाएगी।

39. लेखों के फार्म :—कुटुम्ब पेंशन निधि के लेखों का संधारण ऐसे फार्म में और इस प्रकार से किया जाएगा जैसा प्राधिकरण निर्धारित करे।

40. लेखा परीक्षा :—निधि के लेखों की लेखा परीक्षा प्राधिकरण के लेखों की लेखा परीक्षा करने वाले प्राधिकारी द्वारा की जाएगी।

41. कुटुम्ब पेंशन निधि खाते का संधारण :—(1) “कुटुम्ब पेंशन निधि खाता” नाम का एक खाता इस प्रकार खोला और इवा जाएगा जैसा प्राधिकरण के अनुमोदन से बोई द्वारा निर्धारित किया जाए।

42. कुटुम्ब पेंशन की दर :—(1) ऐसे सदस्य के मामले में, जिसकी मृत्यु अधिवर्षिता की आयु प्राप्त होने के

पूर्व ही संगणनीय सेवा की अवधि के दौरान हो जाती है, कुटुम्ब पेशन का भुगतान नीचे सारणी में विनिर्दिष्ट दरों पर किया जाएगा बशहेंकि कम से कम दो वर्ष की अवधि के लिए कुटुम्ब पेशन निधि का सदस्य रहा हो।

टिप्पणी :

ऐसे भूतपूर्व सरकारी कर्मचारियों, जिन्हें 1 सितंबर, 1977 तक प्राधिकरण की सेवा में खपा लिया गया था और अन्य सार्वजनिक धेन के उपकरणों के कर्मचारियों, जिन्होंने उन उपकरणों में अपनी सेवा के अनुक्रम में उस तारीख तक प्राधिकरण में कार्य प्रारंभ कर दिया था, के मामले में सरकारी अथवा सार्वजनिक धेन के उपकरण में उनके द्वारा की गयी भूतपूर्व सेवा को दो वर्ष की अवधि के लिए गणना में लिया जाएगा।

सारणी

सदस्य का प्रतिमास देतन	पेशन की मासिक दर
1. 800 रु. और अधिक देतन का 12 प्रतिशत परंतु अधिकतम 150 रुपये	
2. 200 रु. और अधिक किन्तु 800 रु. से कम देतन का 15 प्रतिशत परंतु न्यूनतम 60 रु. और अधिकतम 96 रुपये	
3. 200 रु. से कम देतन का 30 प्रतिशत और न्यूनतम 40 रुपये	

(2) यदि संगणनीय सेवा की अवधि के दौरान सदस्य की मृत्यु होने के समय कोई सदस्य पूर्ण देतन नहीं पा रहा था, तो उस अवधि के दौरान उसके द्वारा प्राप्त अंतिम पूर्ण देतन की दर को उपर्युक्त निर्धारण के लिए हिसाब में लिया जाएगा।

(3) यहां किसी ऐसे सदस्य की, जो इस कुटुम्ब पेशन निधि का कम से कम सात वर्ष की अवधि के लिए सदस्य रहा है, संगणनीय सेवावधि के दौरान मृत्यु हो जाती है तो कुटुम्ब पेशन की उपर्युक्त दर निम्नलिखित उपांतरणों के अधीन होगी:-

(क) मृत्यु की तारीख से सात वर्ष की अवधि के लिए या उस तारीख तक, जिस तारीख को कुटुम्ब पेशन निधि का सदस्य 58 वर्ष की आयु, यदि जीवित रहता, प्राप्त कर लेता इनमें से जो भी अवधि कम हो, कुटुम्ब पेशन अंतिम बार प्राप्त किए गए पूर्ण देतन के पक्षास प्रतिशत की दर पर संदेय होगी। परंतु सारणी में उल्लिखित कुटुम्ब पेशन के दो गुने से अधिक नहीं होगी।

टिप्पणी :—ऐसे भूतपूर्व सरकारी कर्मचारियों, जिन्हें 1 सितंबर, 1977 तक प्राधिकरण की सेवा में खपा लिया गया था और अन्य सार्वजनिक धेन उपकरणों के कर्मचारियों, जिन्होंने उन उपकरणों में अपनी सेवा के अनुक्रम में उस तारीख तक

प्राधिकरण में कार्य प्रारंभ कर दिया था, के मामले में सरकारी अथवा सार्वजनिक धेन के उपकरण में उनके द्वारा की गई भूतपूर्व सेवा को सात वर्ष की अवधि के लिए गणना में लिया जाएगा।

(ख) “क” में निर्दिष्ट अवधि की समाप्ति के पश्चात् कुटुम्ब पेशन उसी दर पर संदेय होगी जो सारणी में उल्लिखित है।

4.3. कुटुम्ब पेशन किसे संदेय होगी :—(1) विनियम 42 के उपबंध के अधीन रहते हुए, कुटुम्ब पेशन निम्नलिखित को संदेय होगी :—

(क) विधवा या विष्वार को उनकी मृत्यु या पुनर्विवाह, इनमें से जो भी पूर्वतार हो, की तारीख तक

(ख) (क) के न हो सकने पर, सबसे बड़े जीवित अवयस्क पुत्र को तब तक जब तक कि वह 18 वर्ष का नहीं हो जाता है; और

(ग) (क) और (ख) के न हो सकने पर, सबसे बड़ी जीवित अविवाहित पुत्री को तब तक जब तक कि वह 21 वर्ष की नहीं हो जाती या उसका विवाह नहीं हो जाता, इनमें से जो भी पहले हो।

(2) कुटुम्ब पेशन एक ही समय में एक से प्रधिक व्यक्तियों को नहीं दी जाएगी;

टिप्पणी :

(i) उस दशा में, जहां दो या अधिक विधवाएं हैं, कुटुम्ब पेशन सबसे बड़ी जीवित विधवा को संदेय होगी। इसकी मृत्यु होने पर उससे प्रगल्भ बाली जीवित विधवा को यदि कोई है, संदेय हो जाएगी। “सबसे बड़ी” पद से विवाह की तारीख के मंदर्भ गे ज्येष्ठता अभिप्रेत होगी।

(ii) विधवा या विष्वार के पुनर्विवाह या मृत्यु होने की दशा में पश्न अवयस्क संतानों को उनके नैसार्गिक संरक्षक के माध्यम से दी जाएगी। परंतु विवादास्पद मामलों में भुगतान कानूनी संरक्षक के माध्यम से की जाएगी।

4.4. कुटुम्ब पेशन की अदायगी का प्रारंभ :—कुटुम्ब पेशन उस मास से प्रगल्भ ही महीने के आरंभ से देय हो जाएगी जिसमें कुटुम्ब पेशन निधि के सदस्य की मृत्यु होती है।

4.5. एक मुश्त साभ :—यहां कुटुम्ब पेशन निधि योजना के किसी सदस्य की संगणनीय सेवा के दौरान मृत्यु हो जाती है वहां एक मुश्त साभ के रूप में एक हजार रुपए की मुश्त राशि विनियम 43 में उल्लिखित रूप से उसके कुटुम्ब को देय होगी।

4.6. सेवा निवृति फायदे : 1. कुटुम्ब पेशन निधि के ऐसे सदस्य को अधिवर्षता की आयु प्राप्त कर लेने पर जिसने कम से कम दो वर्ष की अवधि तक कुटुम्ब पेशन निधि में अंशदान किया हो, चार हजार रुपए की एक मुश्त राशि दी

जाएगी और तत्पश्चात् वह कुटुम्ब पेंशन निधि का सदस्य नहीं रहेगा।

टिप्पणी :— 1. ऐसे भूतपूर्व सरकारी कर्मचारियों जिन्हें एक मितंबर, 1977 तक प्राधिकरण की सेवा में खपा लिया गया था और अन्य सार्वजनिक क्षेत्र के उपकरणों के कर्मचारियों जिन्होंने उन उपकरणों में अपनी सेवा के अनुक्रम में उस तारीख तक प्राधिकरण में कार्य प्रारंभ कर दिया था, के मामले में सरकारी अधिकारी सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम में उनके द्वारा की गई “भूतपूर्व की” दो वर्ष की अवधि के लिए गणना में लिया जाएगा।

2. जहां कुटुम्ब पेंशन निधि के सदस्य की, जिसे उप-विनियम (1) के अधीन कोई राशि देय हो जाती है, उस राशि का वस्तुतः भुगतान किये जाने से पूर्व मृत्यु हो जाती है, उप-उपनियम (1) के अधीन उसे भुगतान की जाने वाली एक मुश्त राशि का उसके कुटुम्ब के ऐसे सदस्य को दे हो जाएगा जो विनियम 43 के अधीन पेंशन प्राप्त करने के लिए हकदार हो जाएगा।

47. प्रत्याहरण का लाभ :— (1) मृत्यु के अन्य कारणों की वजह से अधिकर्षता की आयु प्राप्त होने से पहले ही कुटुम्ब पेंशन निधि से सदस्यता समाप्त हो जाने की अवस्था में, कुटुम्ब पेंशन निधि के सदस्य को निम्नलिखित लाभ प्राप्त होगा; वर्णने कि उसने कुटुम्ब पेंशन में निधि कम से कम दो वर्ष तक अंशदान किया हो;

बाई—एकम

————— — 4000 एक

58—एकम

“एकस” प्रवेश के समय की आयु बताता है, “बाई” परिवार पेंशन निधि से भद्रस्यता की समाप्ति के समय की आयु की ओर संकेत करता है तथा “एफ” परिवार पेंशन निधि से सदस्यता की समाप्ति के समय रही आयु पर निभर करने वाला एक घटक है जैसा कि इस योजना की अनुसूची की सारणी-1 में दर्शाया गया है।

(2) कुटुम्ब पेंशन निधि में दो वर्ष का अंशदान पूरा होने के पूर्व ही कुटुम्ब पेंशन निधि से सदस्यता की समाप्ति हो जाने की दशा में कुटुम्ब पेंशन निधि के सदस्य को उसके द्वारा कुटुम्ब पेंशन निधि में किया गया अंशदान और उस पर साढ़े पाँच प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर में ब्याज उसे लौटा दिया जाएगा।

48. 25 वर्ष की आयु हो जाने के पश्चात् कुटुम्ब पेंशन निधि में प्रविष्ट होने वाले मदस्यों के लिए लाभ :— जहां कोई व्यक्ति 25 वर्ष की आयु हो जाने के पश्चात् कुटुम्ब पेंशन निधि का सदस्य बनता है वह उससे सेवा निवृत्ति प्रत्याहरण के लाभ, इस योजना की अनुसूची की सारणी 2 में प्रवेश की आयु के अधिकार पर विस्तृत द्वारा गृणा करके, विनियम 46 और 47 में अंतर्विष्ट उपबन्धों के अनुमान देय होंगे।

प्रतिनियुक्ति पर आए सरकारी कर्मचारियों के संबंध में, जिन्हें बाद में प्राधिकरण में खपा लिया जाता है, उनकी उस समय की आयु जिस समय वे प्रतिनियुक्ति पर आये थे, इस विनियम के प्रयोजन के लिए इस योजना का सदस्य होने की आयु के रूप में रखी जाएगी।

49. कुटुम्ब पेंशन और अन्य फायदों का संवितरण :— बोर्ड, प्राधिकरण के अनुमोदन में इस योजना के अधीन कुटुम्ब पेंशन और अन्य फायदों के संवितरण के लिए डाकघरों, राष्ट्रीय कृत बैंकों या खजानों जैसे संवितरण अभिकरणों के माध्यम स्थापित करेगा। संवितरण अभिकरणों को देय कमीशन और उससे मंबद्ध अन्य अनुबंधिक प्रभारों की पूर्ति विनियम 33 के अधीन प्राधिकरण द्वारा अंशदान किए गए कुटुम्ब पेंशन निधि के भाग से की जाएगी।

50. रजिस्टर, अभिलेख आदि :— बोर्ड, प्राधिकरण के अनुमोदन से, कर्मचारियों के संबंध में रखे जाने के लिए रजिस्टर और अभिलेख अभिभावन पत्र का फार्म या डिजाइन, किसी कर्मचारी के या उसके नामित व्यक्ति या कुटुम्ब पेंशन को प्राप्त करने के लिए हकदार कुटुम्ब के किसी सदस्य के अभिभावन के प्रयोजन के लिए टोकन या डिस्क और ऐसी अन्य औपचारिकताएं निर्धारित करेगा जो कुटुम्ब पेंशन और अन्य फायदों को दिए जाने या उनके बने रहने के संबंध में व्यवस्थक समझे जाने वाले ऐसे नामिक सत्यापन के अधीन रहते हुए, पूरी की जानी हैं।

51. निवेश जारी करने की शक्ति :— प्राधिकरण इस योजना के कार्यान्वयन में किसी कठिनाई को, जिसके अंतर्गत कुटुम्ब पेंशन और अन्य फायदों के संवितरण के मामलों की कठिनाईयां भी हैं, हल करने के लिए ऐसे निवेश जारी कर सकता है जो वह न्यायोचित और उचित समझे।

52. शक्तियों का प्रत्ययोजन :— बोर्ड इन विनियमों के अधीन अपनी किसी भी शक्ति को, सभापति या किसी पदेन न्यासी या सचिव को, ऐसी शर्तों और उपांतरणों के अधीन रहते हुए, जिन्हें वह लागू करना ठीक समझे, प्रत्यायोजित कर सकता है।

53. शिथिलीकरण :— इन विनियमों के उपबन्धों को किसी कर्मचारी या कर्मचारी वर्ग के संबंध में विशेष कारणों को लेखवद करके, प्राधिकरण के अनुमोदन से शिथिल किया जा सकता है।

54. अर्थ निर्वचन :— यदि इन विनियमों के अर्थ निर्वचन के संबंध में कोई प्रश्न उठता है तो उसे अध्यक्ष को निर्विट किया जाएगा जिस पर उनका निर्णय अंतिम होगा।

55. परिसमाप्तन — निधि को प्राधिकरण के समाप्त किए बिना बंद नहीं किया जाएगा। यदि प्राधिकरण को भंग कर दिया जाता है तो निधि को भी बंद कर दिया जाएगा और उस राशि को, जो इन विनियमों के अंतर्गत भुगतान की जाने वाली राशि का भुगतान बरने के पश्चात् वर्ष जाती

है परंतु जिसका अभी भुगतान नहीं किया गया है, उस समय विद्यमान सदस्यों में प्रत्येक को, उस समय निधि की प्रतिशुतियों के आगम का कुल बाजार भूल्य और अधिनियोजित नकद राशि का भुगतान करके, इस प्रकार वितरित कर दी जाएगी कि उस समय ऐसे सभी सदस्यों के व्यक्तिगत खातों में मौजूद कुल राशि और प्रत्येक सदस्य के व्यक्तिगत खाते में जमा राशि एक जैसे अनुपात में हो।

अनुसूची

संख्या—1

[विनियम-47 वेळे]

कुटुम्ब वेशन निधि की सदस्यता के परिसमाप्त के समय
आयु

गुणज “एक”

	1	2
	51	0.89
	52	0.90
	53	0.90
	54	0.90
	55	0.91
	56	0.92
	57	0.93

संख्या—2

[विनियम-48 वेळे)

प्रबोध की आयु गुणज, जिसके द्वारा देय फायदों को गुणा किया जाना है।

1	2	2	2
20	0.25	26	0.95
21	0.27	27	0.92
22	0.30	28	0.89
23	0.32	29	0.86
24	0.35	30	0.83
25	0.37	31	0.80
26	0.40	32	0.76
27	0.43	33	0.73
28	0.45	34	0.70
29	0.48	35	0.67
30	0.50	36	0.64
31	0.53	37	0.61
32	0.55	38	0.58
33	0.58	39	0.56
34	0.60	40	0.53
35	0.63	41	0.50
36	0.65	42	0.48
37	0.68	43	0.46
38	0.70	44	0.43
39	0.72	45	0.41
40	0.74	46	0.39
41	0.76	47	0.37
42	0.78	48	0.34
43	0.80	49	0.32
44	0.81	50	0.29
45	0.83	51	0.27
46	0.84	52	0.24
47	0.86	53	0.22
48	0.87	54	0.19
49	0.88	55	0.16
50	0.89	56	0.13
		57	0.10

फार्म—"र" (विनियम 31 देखें)

खाना संख्या —————
धोषणा पत्र
1. नाम (साफ अक्षरों में) ————— उपनाम —————
2. लिंग —————
3. राष्ट्रीयता —————
4. पिता/पति का नाम —————
5. वैवाहिक स्थिति : विवाहित/अविवाहित/विवेचित या विधुर
6. जन्म की तारीख ————— दिन ————— मास ————— वर्ष —————
यदि निश्चित तारीख उपलब्ध न हो तो प्रतिस्थापन के क्रमांक के लिए चिकित्सा अधिकारी के परामर्श से अनुमति आयु दी जाए।
7. स्थायी पता ————— ग्राम —————
धाना ————— तहसील —————
उपप्रभाग ————— डाकघर —————
जिला ————— राज्य —————

8. (i) मैं धोषणा करता हूं कि मैं हस्ते पूर्व कर्मचारी कुटुम्ब पेशन निधि का सदस्य नहीं रहा हूं।
(ii) मैं भीचे अपने परिवार के उन सदस्यों के विवरण दे रहा हूं जो सेश में रहते हुए मेरी असमिक मृत्यु हो जाने की दशा में कुटुम्ब पेशन और एकमुक्त फायदे प्राप्त करने के लिए पात्र होंगे।

अम संख्या	कुटुम्ब के सदस्य का नाम और पता	आयु	सदस्य के साथ संबंध
--------------	-----------------------------------	-----	-----------------------

1.

2. आदि

X(iii) मैं प्रमाणित करता हूं कि भारत अन्तर्राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण (कर्मचारी अंशदायी भविष्य निधि तथा कुटुम्ब पेशन निधि) विनियमों के वैरा 2 (छ) में यथा— परिभाषित मेरा कोई कुटुम्ब नहीं है और इसके पश्चात् कुटुम्ब हो जाने पर मैं उपर्युक्त फार्म में अपने का विवरण प्रस्तुत कर दूगा।

(X) यदि आवश्यक न हो तो काट दें।

सदस्य के हस्ताक्षर या बांग/दाएं
हाथ के अंगूठे का निशान

(नियोक्ता पूरा करें)

प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्त घोषणा पर श्री श्रीमती ————— ने जो मेरे प्रतिस्थापन में विनियोजित हैं, मेरे समझ प्रविष्टियों को पढ़ लेने के पश्चात्/मेरे द्वारा प्रविष्टियों उन्हें पढ़कर सुनाने और द्वारा पुष्टि कर लेने के पश्चात् हस्ताक्षर किए हैं/अंगूठे का निशान लगाया है।

नियोक्ता अथवा उसके प्रतिस्थापन के अन्य प्राधिकृत अधिकारी के हस्ताक्षर पदनाम —————

प्रतिस्थापन का नाम
और पता

स्थान —————
तारीख ————— कार्यालय की सील/मुहर —————

फार्म "ख" करार फार्म (विनियम 14 देखें)

मैं एतद्वारा घोषणा करता हूं कि मैंने भारत अन्तर्राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण (कर्मचारी अंशदायी भविष्य निधि तथा कुटुम्ब पेशन निधि) विनियमों के वैरा 2 (छ) में यथा— परिभाषित मेरा कोई कुटुम्ब नहीं है और इसके पश्चात् कुटुम्ब हो जाने पर मैं उपर्युक्त फार्म में अपने का विवरण प्रस्तुत कर दूगा।

साक्ष्य —————	पूरे हस्ताक्षर —————
दिनांक —————	नाम —————
	पदनाम —————

कृष्टन ए० एम० कांपूर, अध्यक्ष
भारत अन्तर्राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण

INTERNATIONAL AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA NOTIFICATION

New Delhi, the 12th November, 1982

No.PERS/1114/75-Vol. III.—In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (2) of section 37 of the International Airports Authority Act 1971 (43 of 1971), the International Airports Authority of India, hereby makes with the previous approval of the Central Government, the following Regulations, namely :—

CHAPTER I—GENERAL

1. Short title, commencement and application.—(1) These Regulations may be called the International Airports Authority of India (Employees Contributory Provident Fund and Family Pension Fund) Regulations, 1982.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

(3) They shall apply to all employees of the Authority regularly appointed to its service but shall not apply to employees on deputation to the Authority.

2. Definitions.—(a) 'Act' means the International Airports Authority Act, 1971;

(b) 'Authority' means the International Airports Authority of India established under Section 3 of the Act;

(c) 'Board' means the Board of Trustees constituted under these regulations;

(d) 'Chairman' means the Chairman of the International Airports Authority of India;

(e) 'Contribution' means any contribution payable in respect of a member under these Regulations by the Authority as an employer;

(f) 'Family' for the purpose of the International Airports Authority of India Contributory Provident Fund means :—

- (i) in the case of a male member, the wife or wives, children whether married or unmarried, dependent parents and a pre-deceased son's widow and children. Provided that if a member proves that his wife has been judicially separated from him or has ceased under the customary or personal law of the community to which she belongs, to be entitled to maintenance, she shall thenceforth be deemed to be no longer a part of the member's family in matters to which these regulations relate, unless the member subsequently intimates in writing to the Board that she shall continue to be so regarded;
- (ii) in the case of a female member, her husband, her children whether married or unmarried, her dependent parents, her husband's dependent parents and a pre-deceased son's widow and children. Provided that if a member by notice in writing to the Board expresses her desire to exclude her husband from her family the husband and his dependent parents shall thenceforth be deemed to be no longer a part of the member's family in matters to which these regulations relate, unless the member subsequently cancels such notice in writing.

NOTE : In either of the above two cases, 'Child' means a legitimate child, and includes an adopted child, where adoption is recognised by the personal law governing the member. If the child of a member has been adopted by another person and under the personal law of the adopter, adoption is legally recognised, such a child shall be considered as excluded from the family of the member;

(g) 'Family' for the purpose of International Airports Authority of India Family Pension Fund means :

- (i) wife in the case of male member of the Family Pension Fund;
- (ii) husband in the case of a female member of the Family Pension Fund; and
- (iii) minor sons and unmarried daughters of a member of the Family Pension Fund.

Explanation : The expression "sons" and "daughters" shall include children adopted legally before death in service.

(h) 'Family pension' means a regular monthly amount payable to a person belonging to the family of the member of the Family Pension Fund, in the event of his death during the period of reckonable service;

(i) 'Foreign service' means service in respect of which an employee of the Authority receives his pay and other emoluments with the sanction of the Authority from any employer other than the Authority;

(j) 'Member' means an employee of the Authority who is required or is entitled to become a member of the Provident or Family Pension Fund.

(k) 'Provident Fund' means the International Airports Authority of India Employees Contributory Provident Fund under these Regulations.

(l) 'Pay' includes basic pay and where admissible special pay or personal pay, dearness pay and dearness allowance but does not include any other allowance to which the employee may be entitled;

(m) 'President' means the President of the Board;

(n) 'reckonable service' means service rendered by a member of the Family Pension Fund in respect of which contributions are payable under this Scheme;

(o) 'Secretary' means the Secretary of the Board.

(p) 'subscription' means a subscription to the Provident Fund made by a member;

(q) 'Trustee' means a member of a Board of trustees;

(r) 'year' means the financial year of the International Airports Authority of India beginning on the 1st day of April.

3. Board of Trustees.—(1) The Fund established under these regulations shall be administered by the Board of Trustees consisting of the following members namely :—

- (a) Director (Finance and Accounts), who will be the ex-officio President;
- (b) Deputy Director (Personnel) who will be an ex-officio Trustee
- (c) Deputy Director (Finance and Accounts) who will be an ex-officio Trustee; and
- (d) two representatives of the employees to be nominated by the Chairman from amongst the members of the Fund in consultation with the employees.

(2) An Officer in the Head Office of the Authority nominated by the Chairman shall be the Secretary to the Board. The Secretary shall have the assistance of such staff provided by the Authority as the Chairman may, from time to time, determine. It shall be the duty of the Secretary to convene meetings of the Board; keep records thereof, take necessary steps to ensure proper maintenance of accounts and to carry out the decisions of the Board.

4. Term of Office.—(1) Every Trustee, other than an ex-officio trustee, shall subject to these regulations, hold office for a period of two years commencing from the date on which the nomination is made ;

(2) Where any casual vacancy occurs in the office of a Trustee (other than an ex-officio Trustee), the Chairman may nominate a member of the Fund as Trustee to fill such vacancy in consultation with the employees and any trustee so nominated shall hold office for the unexpired term of office of the Trustee in whose place he is so nominated.

(3) An out-going Trustee shall be eligible for re-nomination.

5. Resignation and cessation of Trustee.—(1) A Trustee other than an ex-officio Trustee, may resign his office by a letter addressed to the Chairman and his office shall become vacant from the date on which the resignation is accepted by the Chairman.

(2) If a Trustee other than an ex-officio Trustee fails to attend three consecutive meetings of the Board, without obtaining leave of absence from the President, he shall cease to be a Trustee.

Provided that the Board may of its own motion or on an application made by such Trustee in this behalf, restore a Trustee to his office if it is satisfied that there were reasonable grounds for the absence.

6. Disqualifications for Trusteeship and removal.—(1) A person shall disqualify for being a Trustee, under clause (d) of sub-regulation (1) of regulation 3,

- (i) if he is an undischarged insolvent;
- (ii) if he is declared to be of unsound mind by a competent court;
- (iii) if he has been convicted of an offence involving moral turpitude;
- (iv) if he ceases to be an employee of the Authority or if he ceases for any reason to be a member of the Fund.

(2) If any question arises whether any person is disqualified under sub-regulation (1), it shall be referred to the Chairman whose decision on the question shall be final.

(3) The Authority may remove from office any Trustee other than ex-officio Trustee, if in his opinion such Trustee has ceased to represent the interest which he purports to

represent on the Board after giving him reasonable opportunity of making any representation against the proposed action.

7. Meetings.—(1) The Board shall meet at New Delhi or at such place and at such time as may be appointed in this behalf by the President. The President may whenever he thinks fit and shall within 15 days of the receipt of a requisition in writing from not less than 3 Trustees, call for a meeting of the Board.

(2) Notice of not less than fifteen days in respect of a meeting of the Board shall be given to every Trustee.

Provided that when the President calls for a meeting for consideration of any matter which in his opinion is urgent, at a notice shorter than fifteen days, such shorter notice shall be deemed to be sufficient notice for the purpose of this regulation.

(3) The President shall preside at every meeting of the Board. In his absence, the Trustees shall elect one of the members present to preside at the meeting and the person so elected shall have all the powers of the President at such meeting.

8. Quorum.—(1) No business shall be transacted at a meeting of the Board unless at least three Trustees are present of whom at least one shall be from among those nominated under clause (d) of sub regulation (1) of Regulation 3.

(2) If at any meeting a quorum is not present the President shall adjourn the meeting informing the Trustees of the time and place of the adjourned meeting and it shall thereupon be lawful to dispose of the business at such adjourned meeting, irrespective of the number of Trustees present thereat.

(3) Every question considered at a meeting of the Board shall be decided by a majority of votes of the Trustees present and voting and in the event of an equality of votes the President shall have and shall exercise a second or casting vote.

9. Minutes of the Meeting.—The minutes of the meeting of the Board shall be kept by the Secretary of the Board.

On the confirmation of such minutes, with or without modifications at the next meeting of the Board, the minutes so confirmed shall be recorded in the minute book and signed by the President and the minutes so recorded and signed shall be the proof of the correctness thereof.

10. Fees and Allowances.—(1) All expenses relating to the administration of the Fund including the pay and allowances of the staff appointed for the purpose of administering the Fund shall be borne by the Authority and shall not be charged to the Fund.

(2) The grant of travelling allowance to a Trustee in respect of journeys performed by him for attending the meeting of the Board shall be governed by the regulations applicable to him for journeys performed on official duty and shall be paid by the Authority.

CHAPTER II

11. International Airports Authority of India Employees Contributory Provident Fund Scheme Constitution of the Fund.—(1) The Authority shall constitute a Fund to be called the International Airports Authority of India Contributory Provident Fund.

(2) The Fund shall be maintained in rupees subject to these Regulations.

(3) The Fund shall constitute an irrevocable trust for the benefit of the members thereof.

12. Assets of the Fund.—The Fund shall consist of

(a) contributions to be made by the Authority and subscriptions to be made by the members in terms of these Regulations;

(b) interest which may accrue on such contributions and subscriptions;

(c) balance transferred from any other Provident Fund where such transfers are authorised by the Board;

(d) moneys lapsed to the fund in accordance with the provisions of these Regulations.

(e) securities purchased with Fund accretions and any capital gains arising from the transfer of capital assets of the Fund.

13. Membership of the fund.—Every regular employee of the Authority shall be entitled and required to become a member of this fund from the beginning of the month following the date on which he completes six months continuous service or has actually worked for not less than 120 days within a period of six months or less.

Explanation : (a) If an employee has been a member of a Contributory Provident Fund covered under the Employees Provident Fund Scheme, 1952 or any other Provident Fund established by Central or State Government and/or any other Provident Fund recognised under the Income Tax Act, 1961 and has not withdrawn the Provident Fund amount standing to his credit at the time of his joining the Authority, he shall be eligible to become a member of the Fund from the date of his appointment.

(b) The Pensioners and superannuated persons of the State/Central Government departments will become members of the fund from the date of their appointment provided that their employment is not less than one year or is extended for one year or more.

(c) The persons appointed on contract basis shall not be eligible to become members of the fund unless their contract of appointment specifically provides for the same.

14. Agreement to be executed by Members.—Every employee on becoming a member of the Fund shall execute an agreement in the enclosed Form B.

15. Rates of subscription and contribution.—(1) Every member shall subscribe to the Fund each month at the rate of 8 per cent of the pay earned by him for the month.

A member may increase his subscription to any rate not exceeding twenty five per cent of the pay earned for the month.

Provided that such enhancement shall be given effect to from the subscription which has under these regulations to be treated as the subscription of the first month of a financial year.

Expl. Note : The pay for the purpose of determining the rate of subscription to Contributory Provident Fund by re-employed employees shall be the pay plus pension and other retirement benefits taken into account at the time of fixation of their re-employment pay. The maximum amount for this purpose is, however, not to exceed the maximum of the scale of the post held by the employee concerned. Dearness Allowance shall be taken into account in addition.

(2) The Authority shall contribute to the Fund every month an amount equal to the amount subscribed by each of the members, but in any case not exceeding 8 per cent of the pay earned by the member during that month as the employer's contribution to the Fund.

(3) Subscriptions and contributions shall be rounded off to the nearest rupee, 50 paise or more to be counted as the next higher rupee.

16. Realisation of subscription :—(1) When pay is drawn by a member from the Authority, recovery on account of such subscription and of the principal and the interest of any advance shall be made from the pay itself.

(2) When a member is on foreign service and receives his salary from the foreign employer, it shall be incumbent on him to remit his monthly subscriptions to the President. The Authority's contributions payable in respect of the period of foreign employment be recovered by the Authority from the Member. Amount payable by the member may be mutual agreement be recovered by the foreign employer from his pay and remitted to the President.

17. Administration of Fund, accounts and audit.—(1) The total amounts received as the employer's contributions and towards the employees subscription to the Fund shall be credited to respective accounts.

(2) All amount lapsed to the Fund and not profits or losses, if any, from the sale of the investments, shall be transferred to the 'Lapsed Account'.

(3) All interests, rent and other income accrued or realised, as the case may be, shall be credited to an account to be called the 'Interest Income Account'.

(4) All moneys belonging to the fund shall be deposited in the manner specified under rule 67 of the Income Tax Rules, 1962 and amendment thereof from time to time.

(5) The accounts of the Fund shall be audited by the authority auditing the accounts of the Authority.

18. Interest.—The Board shall as soon as possible after the expiry of every year :—

(i) notify the rate at which the interest shall be allowed during the year on all deposits standing to the credit of every member of the Fund which shall be the same rate as determined by the Central Government for the Contributory Provident Fund for their employees.

(ii) prepare an account of the total interest accrued and received on the investment of the Fund during that year; and

(iii) credit the amount of interest due to every member on the balance standing to his credit in the Fund on the 31st day of March of each year. Provided that in the case of the member ceasing to be such member before the accounts of the year are closed interest shall be allowed at the rate fixed for the preceding year upto the end of the month preceding that in which the payment is made.

19. Member's Accounts.—(1) An individual account for each member shall be maintained in the form prescribed by the Board and allotted a separate number. Accounts shall be maintained at the Headquarters or at the respective Airport where the member is working as may be prescribed by the Board.

(2) As soon as may be after the close of the year, every member shall be supplied with a statement of his account showing therein the opening balances for the year of subscriptions and contributions to the credit of his account including interest thereon, the amount of subscriptions and contributions for the year, the interest credited to his account for the year and the total amounts of subscriptions and contributions including interest thereon to his credit at the end of the year.

(3) Every member shall send the acceptance of the statement of his account duly signed by him after satisfying himself as to the correctness of the entries made therein, not later than two months from the date of receipt thereof.

(4) An abstract for the year of the individual account of each member in respect of whom a return is required to be furnished under the Income Tax Rules, 1962 shall be furnished to the Income Tax Officer concerned in such form and within such dates as may be required by the provisions of the said Rules.

20. Nominations.—(1) Every member shall, as soon as possible after joining the Fund, make a nomination in the form that may be prescribed by the Board conferring upon one or more persons the right to receive the amount which may stand to his credit in the Fund in the event of his death before that amount has become payable or having become payable has not been actually paid.

Provided that if, at the time of making the nomination, the member has a family, the nominations shall not be in favour of any person or persons other than the member of his family.

(2) If a member nominates more than one person under sub-regulation (1) he shall specify in the nomination form the amount or share payable to each of the nominees in such manner as to cover the whole amount which may stand to his credit in the Fund at any time.

(3) A member may at any time cancel or modify a nomination by notice in writing.

Provided that the member shall, alongwith such notice, a fresh nomination made in accordance with the provisions of this regulation in the form that may be prescribed by the President.

(4) A member may provide in a nomination form:—

(a) that in the event of any specified nominee predeceasing the member, the right conferred upon that nominee shall pass on to such other person or persons as may be specified in the nomination:

Provided that where the member has a family, such other nominee shall also be a member of the family,

Provided also, that where the member has no family, the provisions of the proviso to sub-clause (b) shall apply.

(b) that the nomination shall become invalid in the event of the happening of a contingency specified therein.

Provided that if at the time of making the nomination the member has no family, he shall provide in the nomination that it shall become invalid in the event of his subsequently acquiring a family.

(5) Immediately on the death of a nominee in respect of whom no special provision has been made in the nomination under clause (a) sub-regulation (4), or on the occurrence of any event by reason of which the nomination becomes invalid in pursuance of clause (b) of sub-regulation (4), the member shall send to the Secretary or any other officer specified by the President a notice in writing cancelling the nomination together with a fresh nomination made in accordance with the provisions of this regulation.

(6) Every nomination made, and every notice of cancellation given, by a member shall be communicated to the Secretary or any other officer that may be specified in this respect and to the extent that it is valid, take effect on the date on which it is received by the Secretary or any other officer specified by the President under sub-regulation (5) above.

(7) Where the nomination is wholly or partly in favour of a minor, the member may, for the purpose of these regulations, appoint a major person of his family as defined in regulation 2(e)(1), to be the guardian of the minor nominee:

Provided that if there is no major person in the family, the member may, at his discretion, appoint any other person to be a guardian of the minor nominee.

(8) Except as otherwise provided in this regulation no employee shall assign or create a charge upon his beneficial interest in the Fund.

21. Advances from the Fund.—(1) The Board may sanction the payment to any member of an advance for any of the purposes listed in column 2 of the statement below upto the limits and subject to the special conditions, if any, set out in column 3 and column 4 respectively.

S.N.	Purpose	Limit upto which advance may be sanctioned	Special Conditions
1	2	3	4
1.	To pay for the cost of passage to a place out of India of the member or any member of his family.	3 months' pay or half of the amount of subscription and interest thereon standing to the credit of the member in the Fund, whichever is less.	
2.	To pay obligatory expenses on a scale appropriate to the status which by customary		

1 2

3

4

usage the member has to incur in connection with :

- (a) the marriage of himself or of his children or any other member of his family actually dependent on him.
- (b) other ceremonies connected with himself or of his children or of any other member of his family actually dependent upon him or in connection with the funeral ceremonies of his parents, or of any other member of his family dependent on him.

(a) 6 months' pay or half of the amount of subscription and interest thereon standing to the credit of the member in the Fund, whichever is less.

(b) 3 months' pay or half of the amount of subscription and interest thereon standing to the credit of the member in the Fund, whichever is less.

Note I : - The condition of dependence on the employee shall not apply in respect of his son or daughter for marriage and in respect of his parents for funeral in the matter grant of advance.

Note II : - For the purpose of Sl. No. 2(a) the unmarried sister will be deemed to be the member of the family of the employee.

3. To pay any expenses in connection with illness or disability including where necessary travelling expenses of the member of his family actually dependent on him.

3 months pay or half of the amount of subscription and interest thereon standing to the credit of the member in the Fund, whichever is less.

4. To meet expenses for higher technical education of his son or daughter wholly dependent upon him.

-do-

5. To meet expenses for his defence in a court of law in his official capacity to vindicate his character or action.

3 months' pay or half of the amount of subscription and interest thereon standing to the credit of the member in the Fund, whichever is less.

(2) Notwithstanding anything contained in sub-regulation (1), Chairman may grant advance in excess of the limits laid down above or in any case of acute distress not covered by the conditions set out above.

(3) An advance shall not, except for special reasons, be granted to any member until repayment of the last instalment of any previous advance together with interest thereon. However, in cases, where a second advance is granted before the repayment of the first advance the balance of any previous advance not recovered shall be added to the advance so sanctioned and the instalments for recovery shall be fixed with reference to the consolidated amount.

(4) A member who has been sanctioned an advance from the Fund shall satisfy the sanctioning authority within such period as may be specified by the Authority that the money has been utilised for the purpose for which it was sanctioned and, if he fails to do so, the whole sum so sanctioned or so much thereof as has not been applied for the purpose for which it was sanctioned, shall forthwith be repaid in one lump-sum together with interest thereon at the rate specified under sub-regulation (3) of Regulation 22 by the member of the Fund and in default of such payment shall be ordered

by the sanctioning authority to be recovered from his emoluments either in one lump-sum or in such number of monthly instalments as may be determined by such Authority.

22. Recovery of advances.—(1) An advance shall be recovered from the member in such number of equal monthly instalments as the sanctioning Authority may direct but such number shall not be less than 12 unless the member so elects and more than 36. A member may at his option make repayment of more than one instalment in any month. The amount of each instalment shall be fixed in terms of whole rupees, the amount of advance being raised or reduced if necessary to admit of such fixation.

(2) Recovery shall be made in the manner provided in Regulation 16 and shall commence from the first occasion after the advance is made on which the member draws pay for a full month. Recovery shall, however, not be made except with the member's consent while he is in receipt of subsistence grant or on sick leave and/or extraordinary leave exceeding 30 days.

(3) Interest shall be charged on advances and recovered in accordance with the provisions of Rule 71 of the Income Tax Rules, 1962.

23. Withdrawals.—(1) The Board may sanction a withdrawal at any time after the completion of twenty years of service (including broken periods of service, if any) of a member or within ten years before the date of his retirement on superannuation, whichever is earlier; from the amount of subscriptions and interest thereon standing to the credit of the member in the Fund for any of the purposes mentioned in Column 2 of the Statement below upto the limits and subject to the conditions, if any, set out in Columns 3 and 4 respectively.

Note.—The service rendered by an employee under Central Government or in a Public Sector Undertaking before he becomes a regular employee of the Authority shall be reckoned for the period of 20 years, subject to the condition that the amount standing to his credit in his Provident Fund Account while under Government or the Public Sector Undertaking has been credited to the Fund under these regulations. This will, however, apply only in respect of such employees from Central Government or Public Sector Undertakings who become regular employees of the Authority latest by 1-9-1977.

S. No.	Purpose	Limit upto which withdrawal may be sanctioned	Special
1	2	3	4

1. To meet expenditure on building a house or purchasing a site or a house and site. Provided that the employee furnishes an undertaking not to encumber or alternate such a house or site or house and site as the case may be.	The amount of withdrawal shall not exceed one half of the amount standing to the employee's credit or the actual cost of the house and site whichever is less.	(i) The employee shall have completed 20 years of service or is due to retire within the next 10 years. (ii) The construction of the house should be commenced within six months of the withdrawal and should be completed within 18 months from the date of commencement of the construction. (iii) If the withdrawal is made for the purchase of a house and/or a site for a house the purchase should be made within six months of the withdrawal. (iv) if the withdrawal is made for the repayment of loan previously raised for the purchase of a house, the repayment of the loan should be made within three months of the withdrawal.
--	--	--

1	2	3	4
(v)			where the withdrawal is for the construction of house, it shall be permitted in two or three equal instalments; a latter instalment being permitted only after verification by the Board about the actual utilisation of the earlier withdrawal.
(vi)			the withdrawal shall be permitted only if the house and/or site is free from encumbrances and no withdrawal shall be permitted for purchasing a share in a joint property or building or house or land whose ownership is divided.
(vii)			if the amount withdrawn exceeds the actual cost of the purchase or construction of the house and/or site, or if the amount is not utilised for the purpose for which it is drawn the excess or the whole amount, as the case may be, shall be refunded to the Board forthwith in lump-sum together with the interest from the month of such withdrawal at the rate prescribed in Rule 71 of the Income Tax Rules. The amount refunded shall be credited to the employee's Account in the Provident Fund.

(2) The actual withdrawal from the Fund shall be made only on receipt of an authorisation from the President or any other officer specified by him in this behalf. The authorisation shall be issued as soon as the formal sanction of the Board has been issued.

(3) The provisions of sub-regulation (4) of Regulation 21 shall mutatis mutandis apply to moneys withdrawn from the Fund under this Regulation.

23A. Withdrawal for Payment of Premium.—The Board may sanction withdrawal by a member of the Provident Fund subscription standing to his credit to pay premia on policies of life insurance of a member or his wife:

Provided that no amount shall be withdrawn:

- (a) before the particulars of the policy are submitted to the Board and accepted by them as suitable; or
- (b) unless the policy is assigned to the Trustees, receipts granted by any Insurance Company for the premia are from time to time handed over to the Trustees for inspection; or
- (c) in excess of the amount required to meet a premium.
- (d) in excess of (i) the pay of employee for three months at the time of withdrawal or (ii) the total of the accumulation of subscription and interest exempted from income tax contained in the balance to the credit of the employee, whichever is less.
- (e) unless the premium for a policy in respect of which withdrawal is permitted is payable annually.

Provided further that if such policy matures or otherwise falls due for payment before the employee ceases to be in

the service of the Authority, the amount received or receivable thereunder shall be utilised to reimburse the member's account to the extent of the amount drawn therefrom or the amount received against the insurance policy, whichever is less, and the balance, if any, made over to the beneficiary under the policy:

Provided further, that if a member, having withdrawn any amounts under this Regulation, elects to discontinue such withdrawals, the total amount so withdrawn by him for payment of insurance premia shall be reimbursed to his account in the Fund and the insurance policy assigned to or deposited with the Trustees shall not be reassigned or returned to him, as the case may be, unless the amount withdrawn is so reimbursed.

24. Conversion of an Advance into a Withdrawal.—A member who has already drawn an advance under regulation 21 may convert at his discretion by written request addressed to the President through the Secretary the balance outstanding against him, into final withdrawal on his satisfying the condition laid down in sub-regulation (i) of Regulation 23.

25. Final Withdrawals of Accumulations in the Fund.—When a member quits the service of the Authority the accumulated balance standing to his credit in the Fund shall, subject to the deduction of Income-tax that may be due and payable by him according to the provision of the Income-tax Act and also subject to any deductions under Regulation 27 becomes payable to him:

Provided that if the member quits service for taking up appointment with Central or State Government or any autonomous organisation or any society registered under the Societies Registration Act, 1960, or public undertaking etc. with the proper permission of the Authority, the balances at his credit in the Fund shall not be payable to him but be transferred to his new employer if the Provident Fund Rules of that employer allow such transfer.

26. Procedure on death of Members.—Subject to any deduction under Regulation 27 on the death of a member before the amount standing to his credit has become payable or where the amount has become payable before actual payment has been made:

- (i) if a nomination made by the member in accordance with Regulation 20 subsists, the amount standing to his credit in the Fund or that part thereof to which the nomination relates, shall become payable to his nominee or nominees in accordance with such nomination: or
- (ii) if no nomination subsists or if the nomination relates only to a part of the amount standing to his credit in the Fund the whole amount or the part thereof to which the nomination does not relate, as the case may be, shall become payable to the members of his family in equal shares:

Note :

In case the share becomes payable to the minor children under the aforesaid clause it shall be paid to the surviving parents being the natural guardian without an indemnity bond;

Provided that no share shall be payable to:

- (a) sons who have attained majority;
- (b) sons of a deceased son who have attained majority;
- (c) married daughters whose husbands are alive;
- (d) married daughters of a deceased son whose husbands are alive.

If there is any member of the family other than those specified in clauses (a), (b), (c) and (d):

Provided further that, the widow or widows, and the child or children of a deceased son shall receive between them in equal parts only the share which that son would have received if he had survived the member and had not attained the age of majority at the time of the member's death.

- (iii) In any case, to which the provisions of sub-regulations (i) and (ii) do not apply, the whole amount shall be payable to the person legally entitled to it.

Explanation.—For the purpose of this paragraph a member's posthumous child, if born alive, shall be treated in the same way as surviving child born before the member's death.

27. **Deduction.**—(1) Subject to the condition that no deduction may be made which reduces the credit by more than that the amount of any contribution by the Authority with interest thereon, before the amount standing to the credit of a member in the Fund is paid out of the Fund, the Chairman may direct the deduction therefrom of;

(a) any amount, if a member has been dismissed from the service of the Authority.

(b) Deductions in the cases of voluntary resignation or retirement if Authority shall be on the following graduated scale :—

Length of service	Share of contributions
Less than three years	25%
Between three and four years	50%
Between four and five years	75%

In case of death and in case of resignation from service where transfer of Contributory Provident Fund balance is involved, employer's contribution would be paid in full irrespective of the length of service rendered.

(c) Any amount due under a liability incurred by the member to the authority.

(2) All amounts deducted under clause (a) or clause (b) of sub-regulation (1) shall lapse to the Fund.

(3) All amounts deducted under clause (c) of sub-regulation (1) shall be paid into the credit of the Authority.

28. **Manner of Payment of the Amount in the Fund.**—(1) When the amount standing to the credit of a member in the Fund or the balance thereof, after any deduction under Regulation 27 becomes payable, it shall be duty of the Secretary or any other officer specified by the President in this behalf after satisfying himself as to correctness of the amount payable, to make payment on receipt of a written application in this behalf as provided in sub-regulation (3) below.

(2) If the person to whom under these regulations any amount is to be paid is a 'lunatic' and for whose estate a Manager has been appointed under the Indian Lunatic Act 1912, the payment shall be made to such Manager and not to the lunatic.

(3) Any person who desires to claim payment under this regulation shall send a written application in that behalf to the Secretary or any other officer specified by the President in this behalf in such form as may be prescribed by the Board. Payments of amounts withdrawn shall be made in India only. The person to whom the amounts are payable shall make their own arrangements to receive payment in India.

CHAPTER II

International Airports Authority of India Family Pension Fund Scheme

29. **Membership of the Family Pension Fund.**—This scheme shall apply to every employee who becomes a member of the Employee's Provident Fund Scheme, provided he is not in receipt of pay exceeding 1,000 rupees per month:

Provided that an employee who while working in a factory or other establishment before joining the service of the Authority had earlier decided not to opt for the Family Pension Scheme, 1971 under the Employees' Provident Fund and Family Pension Fund Act, 1952 (as amended in 1971) as provided in paragraph 3(b) and 4 of that scheme, may exercise within three months of the date of promulgation of these Regulations, the option for not joining the Family Pension Fund of the Authority.

30. **Retention of Membership.**—A member of the Family Pension Fund shall continue to be a member of the Family Pension Fund till he attains the age of superannuation or

till he retires or quits service and withdraws or becomes entitled to withdraw the benefits to which he is entitled under this scheme or dies during the period of reckonable service, whichever is the earliest.

Explanation.—Once the pay of an employee exceeds Rs. 1,000 p.m. he would automatically be deemed to have opted out of the Family Pension Scheme.

31. **Resolution of Doubts.**—If any question arises whether an employee is entitled to become a member of the Family Pension Fund Scheme, the decision thereon of the Board of Trustees shall be final, provided that no decision shall be given unless the employee has been heard.

32. **Fees and Allowances.**—All expenses relating to the administration of Family Pension Fund including the pay and allowances of the staff appointed for the purpose of administering the fund shall be borne by the Authority in the same manner as indicated in Regulation 10.

33. **Family Pension Fund.**—(a) From and out of the subscription paid by the members and the contributions paid by the Authority into Provident Fund each month as laid down in Regulation 15, a part of subscription representing 1-1/6 per cent of the employee's pay along with the equivalent amount representing 1-1/6 per cent of the Authority's contribution shall be separately earmarked and credited to the Family Pension Fund.

(b) The Authority shall also contribute at the rate of 1-1/6 per cent of the pay of the members of the Family Pension Fund and credit the contribution to the Family Pension Fund Account.

(c) The contributions payable under sub-regulations (a) and (b) shall be calculated on the basis of the monthly pay.

(d) Each contribution payable under sub-regulations (a) and (b) shall be calculated to the nearest quarter of rupee, 12.5 paise or more to be counted as the next higher quarter of a rupee.

34. **Particulars to be supplied by persons already employed at the time of the commencement of the Family Pension Fund.**—Every person who is entitled to become a member of the Family Pension Scheme shall be asked forthwith by the Authority to furnish and shall, on such demand, furnish to it, particulars concerning himself and his family in the enclosed Form A.

35. **Allotment of Accounts Numbers.**—Separate account will be allotted to each member of the Family Pension Fund Scheme.

36. **Family Pension Fund Account.**—The aggregate amount received as the Authority's and the employees' contributions and also the Authority's own contributions to the Family Pension Fund shall be credited to an account called the 'Family Pension Fund Account'.

37. **Investment.**—All moneys belonging to the fund shall be deposited in the manner specified under Rule 67 of the Income Tax Rules, 1962.

38. **Disposal of the Fund.**—(a) All payments on account of Family Pension and other benefits under this Scheme shall be chargeable against the said account.

(b) Subject to the provisions of the regulations under this Scheme, the Family Pension Fund Account referred to in Regulation 36 above shall not, except with the previous sanction of the Authority be expended for any purpose other than the payment of benefits as may be admissible under this Scheme to the members of the Family Pension Fund or persons belonging to his family.

39. **Forms of Accounts.**—The accounts of the Family Pension Fund shall be maintained in such form and manner as may be specified by the Authority.

40. **Audit.**—The accounts of the Fund shall be audited by the authority auditing the account of the Authority.

41. Maintenance of Family Pension Fund Account.—The account called the 'Family Pension Fund Account' shall be opened and maintained in such manner as may be specified by the Board with approval of the Authority.

42. Rate of Family Pension.—(1) In the case of a member who dies during the period of reckonable service before attaining the age of superannuation, family pension shall be paid at the rates specified in the Table below, subject to the condition that he has been a member of the Family Pension Fund for a period of not less than 2 years.

Note : In the case of erstwhile Government servants absorbed in the service of the Authority by 1st September, 1977 and employees of other public sector undertakings who joined service in the Authority by that date in continuation of their service in those undertakings, the past service in Government or public sector undertaking will be reckoned towards the periods of two years.

Table

Pay of the Member Per Month	Monthly Rate of Pension
1. Rs. 800 and above	12% of pay I subject to a maximum of Rs. 150.
2. Rs. 200 and above but below Rs. 800	15% of pay I subject to a minimum of Rs. 60 and maximum of Rs. 96.
3. Below Rs. 200/	30% of pay I subject to a minimum of Rs. 40.

(2) If at the time of death during the period of reckonable service, a member was not in receipt of full pay, the rate of full pay last drawn by him during that period shall be taken into account for the above assessment.

(3) Where an employee who has been a member of this Family Pension Fund for a period not less than 7 years dies during the period of reckonable service, the above rate of Family Pension shall be subject to the following modifications :—

(a) for a period of 7 years from the date of death or till the date on which the member of the Family Pension Fund would have reached the age of 58 years had he remained alive, whichever period is shorter, the Family Pension payable shall be at 50 per cent of pay last drawn in full subject to a maximum of twice of the Family Pension mentioned in the Table :

Note : In the case of erstwhile Government servants absorbed in the service of the Authority by 1st September, 1977 and employees of other public sector undertakings who joined service in the Authority by that date in continuation of their service in those undertakings, the past service in Government or public sector undertaking will be reckoned towards the period of 7 years.

(b) the Family Pension payable after the expiry of the period referred to in clause (a) shall be the same as in the Table.

43. Family Pension to Whom Payable.—(1) Subject to the provision of Regulation 42, the Family Pension is payable :—

- (a) to the widow or widower upto the date of death or remarriage; whichever is earlier;
- (b) failing (a), to the eldest surviving minor son until he attains the age of 18 years; and
- (c) failing (a) and (b), to the eldest surviving unmarried daughter until she attains the age of 21 years or marriage, whichever is earlier.

(2) The Family Pension shall not be paid to more than one person at a time :

Note :—

(i) In cases where there are two or more widows, Family Pension shall be payable to the eldest surviving widow. On her death, it shall be payable to the next surviving widow, if any. The term "eldest" would mean seniority with reference to the date of marriage.

(ii) In the event of remarriage or death of the widow or widower, the pension will be granted to the minor children through their natural guardian. In dispute cases, however, payments will be made through a legal guardian.

44. Commencement of Payment of Family Pension.—Family Pension shall become payable from the beginning of the month immediately following the month in which a member of the Family Pension Fund dies.

45. Lump-sum Benefit.—Where a member of the Family Pension Fund Scheme dies during the period of reckonable service, lump sum of Rs. 1,000 as lump sum benefit shall be payable to his family in the order indicated in Regulation 43.

46. Retirement Benefit.—(1) On attaining the age of superannuation of a member of the Family Pension Fund who has contributed to the Family Pension Fund for a period of not less than 2 years shall be paid a lump sum of Rs. 4,000 and thereafter he shall cease to be a member of the Family Pension Fund.

Note : In the case of erstwhile Government servants absorbed in the service of the Authority by 1st September, 1977 and employees of other public sector undertakings who joined service in the Authority by that date in continuation of their service in those undertakings, the past service in Government or public sector undertaking will be reckoned towards the periods of two years.

(2) Where a member of the Family Pension Fund to whom any amount becomes payable under sub-regulation (1) dies before the amount has been actually paid to him, the lump sum payment under sub-regulation (1) shall be payable to a member of his family who would have been entitled to receive Family Pension under Regulation 43.

47. Withdrawal Benefit.—(1) In the case of cessation of membership from the Family Pension Fund before attaining the age of superannuation for reasons other than death, the following benefit shall accrue to the member of the Family Pension Fund :

Provided that he has paid contribution to the Family Pension Fund for not less than 2 years :

$$\frac{Y-X}{58-X} \times 4000 \quad F$$
 Where = age of entry, Y = age at cessation of membership from the Family Pension Fund and F = a factor depending on the age at cessation of membership from the Family Pension Fund as given in Table I of the Schedule to this Scheme.

(2) In the event of cessation of membership from the Family Pension Fund before the completion of two years' contributions to the Family Pension Fund, the contributions of the member of the Family Pension Fund credited to the Family Pension Fund together with interest thereon at the rate of 5 1/2 per cent per annum shall be refunded to him.

48. Benefits for Members entering Family Pension Fund after attaining the age of 25 years.—Where a person becomes a member of the Family Pension Fund after the age of 25 years, the retirement/withdrawal benefits shall be payable in accordance with the provisions contained in Regulations 46 and 47 multiplied by a factor depending on the age of entry given in Table II of the Schedule to this Scheme. In respect of Government servants on deputation who are subsequently absorbed in the Authority, their age at the

time they came on deputation will be taken as the age of becoming a member of this Scheme for the purpose of this Regulation.

49. Disbursement of Family Pension and Other Benefits.—The Board shall, with the approval of the Authority, enter into arrangements for the disbursement of Family Pension and other benefits under this Scheme with disbursing agencies like post offices or nationalised banks or treasuries. The commission payable to the disbursement agencies and other charges incidental thereto shall be met from the portion of Family Pension Fund contributed by the Authority under Regulation 33.

50. Registers, Records, etc.—The Board shall with the approval of the Authority prescribe the registers and records to be maintained in respect of employees, the form or designs of any identity card, token or disc for the purpose of identifying any employee or his nominee or a member of family entitled to receive the Family Pension and such other formalities as have to be completed in connection with the grant of Family Pension and other benefits or for the continuance thereof subject to such periodical verification as may be considered necessary.

51. Power to Issue Directions.—The Authority may issue such directions as may be deemed just and proper by it for resolving any difficulty in the implementation of this Scheme including difficulties in the matter of disbursement of Family Pension and other benefits.

52. Delegation of Powers.—The Board may delegate any of its powers under these regulations to the President or to any ex-officio Trustee, or to the Secretary, subject to such conditions and modifications, as it may deem fit to impose.

53. Relaxation.—Provisions of these Regulations may be relaxed with the approval of Authority, in respect of any employee or category of employees, for special reasons to be recorded in writing.

54. Interpretation.—If any question arises relating to the interpretation of these regulations, it shall be referred to the Chairman whose decision thereon shall be final.

55. Winding up.—The Fund shall not be closed except when the Authority is wound up. In the event of the dissolution of the Authority, the Fund shall be closed and the moneys after payment of amounts due to be paid but not yet paid under these regulations, shall be distributed amongst the members then existing by payment to each of them a sum which shall bear the same proportion to the aggregate market value of the proceeds of securities and un-invested cash then constituting the Fund as the amount then standing to the credit of the member in his individual account bears to the aggregate of the amounts then standing to the individual accounts of all such members.

SCHEDULE

Table—1
(See Regulation 47)

AGE at cessation of membership in Family Pension Fund	Factor 'F'
20	0.25
21	0.27
22	0.30
23	0.32
	0.35
	0.37
	0.40
	0.43
	0.45
	0.48
	0.50

Age at cessation of membership in Family Pension Fund	Factor (F)
31	0.53
32	0.55
33	0.58
34	0.60
35	0.63
36	0.65
37	0.68
38	0.70
39	0.72
40	0.74
41	0.76
42	0.78
43	0.80
44	0.81
45	0.83
46	0.84
47	0.86
48	0.87
49	0.88
50	0.89
51	0.89
52	0.90
53	0.90
54	0.90
55	0.91
56	0.92
57	0.93

Table-II

(See Regulation 48)

Age of entry	Factor by which the benefits payable are to be multiplied
26	0.95
27	0.92
28	0.89
29	0.86
30	0.83
31	0.80
32	0.76
33	0.73
34	0.70
35	0.67
36	0.64
37	0.61
38	0.58
39	0.56
40	0.53
41	0.50
42	0.48
43	0.46
44	0.43
45	0.41
46	0.39
47	0.37
48	0.34
49	0.32
50	0.29
51	0.27
52	0.24
53	0.22
54	0.19
55	0.16
56	0.13
57	0.10

Form A
(See Regulation 34)
Account No. _____

DECLARATION FORM

Surname _____

1. Name _____
(in block capital)

2. Sex _____

3. Nationality _____

4. Father's/Husband's name _____

5. Martial status _____

(Whether unmarried, married, widow or
widower)6. Date of birth— day— month— year—
(where exact particulars are not available, approximate
age may be indicated in consultation with the Medical
Officer of the establishment)

7. Permanent Address :

Village— Thana _____

Tehsil/Sub-division _____

Post Office _____ Dist _____

State _____

8. (I) I declare that I have not previously been a member of
the Employees Family Pension Fund.(II) I hereby furnish below particulars of the members of
my family who would be eligible to receive Family
Pension and lump sum benefits in the event of my
premature death in service.

Sl. No. & Address of the No. of the Family Members	Age	Relationship with the Member
1.		
2. etc.		

*(III) I certify that I have no family as defined in para (2)(g)
of the IAAI (Employees Contributory Provident Fund and
Family Pension Fund) Regulations and should I acquire a
family hereafter I shall furnish particulars thereof in the above
form.

*(Delete if not necessary)

Signature or Left/Right hand
thumb impression of the
member

(to be completed by the Employer)

Certified that the above declaration has been signed/thumb
impression by Shri/Shrimati _____
employed in my establishment before me after he/she had read
the entries/the entries have been read over to him/her by me and
got confirmed by him/her.

Signature of the Employer
or other authorised officer
of his establishment

Designation _____

Name & Address
of the Establishment _____

Officer Seal/Stamp _____

Place _____

Date _____

Form B—Agreement Form (See Regulation 14)

I hereby declare that I have read and understood International
Airports Authority of India (Employees Contributory
Provident Fund and Family Pension Fund) Regulations, 1982
and I hereby undertake to subscribe to the Fund and agree to
be bound by the said Regulations.

Signature in full _____

Witness _____

Name _____

Date _____

Designation _____

A.M. KAPUR, Chairman